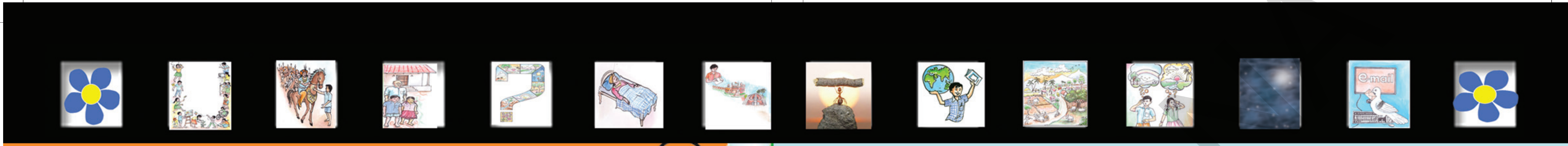

Hindi Second Language

Class - VIII

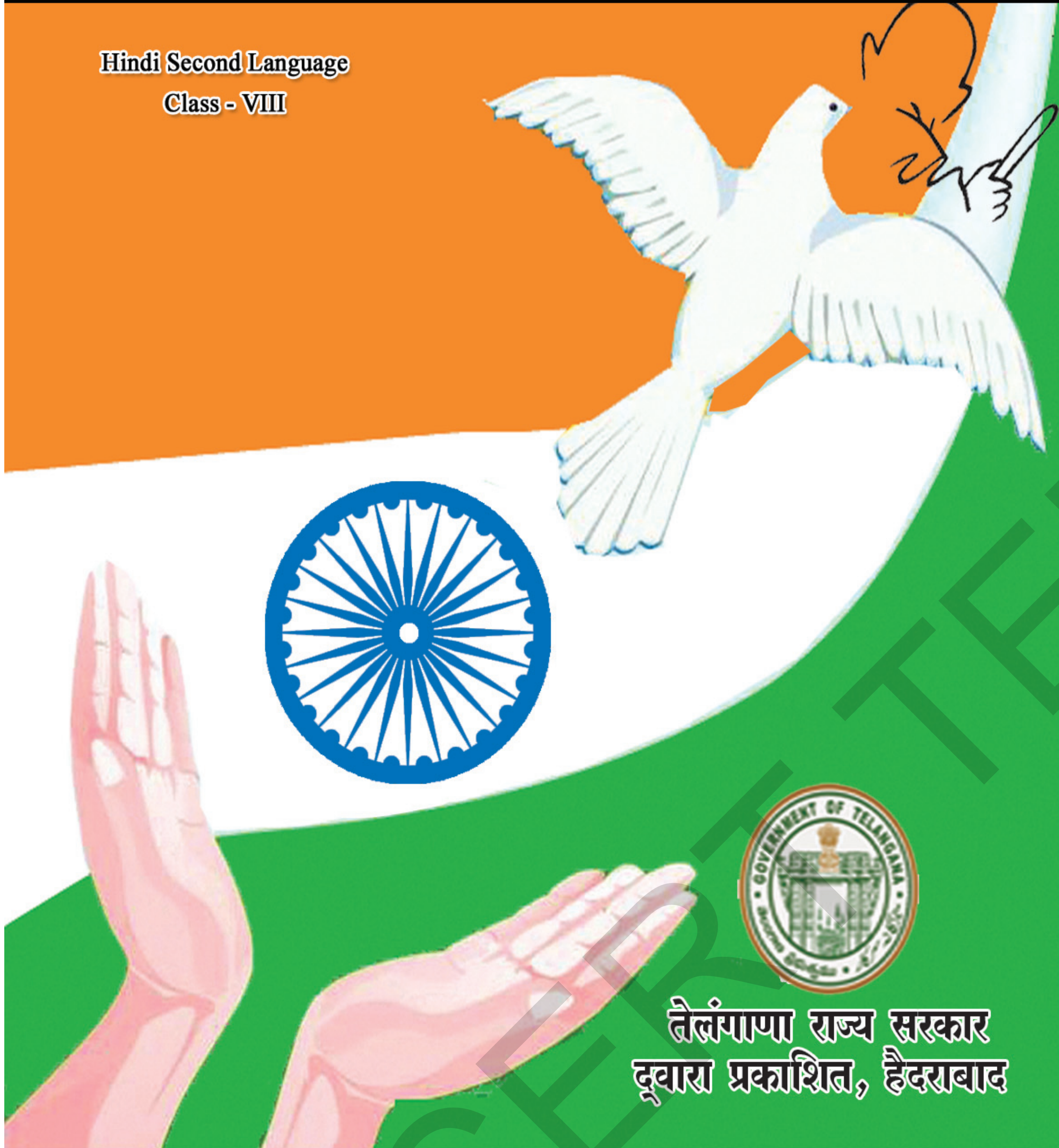

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा प्रकाशित, हैदराबाद

F

बाल-बगीचा - 3

द्वितीय भाषा हिंदी कक्षा - 8 की पाठ्यपुस्तक

Hindi Second Language

Class - VIII

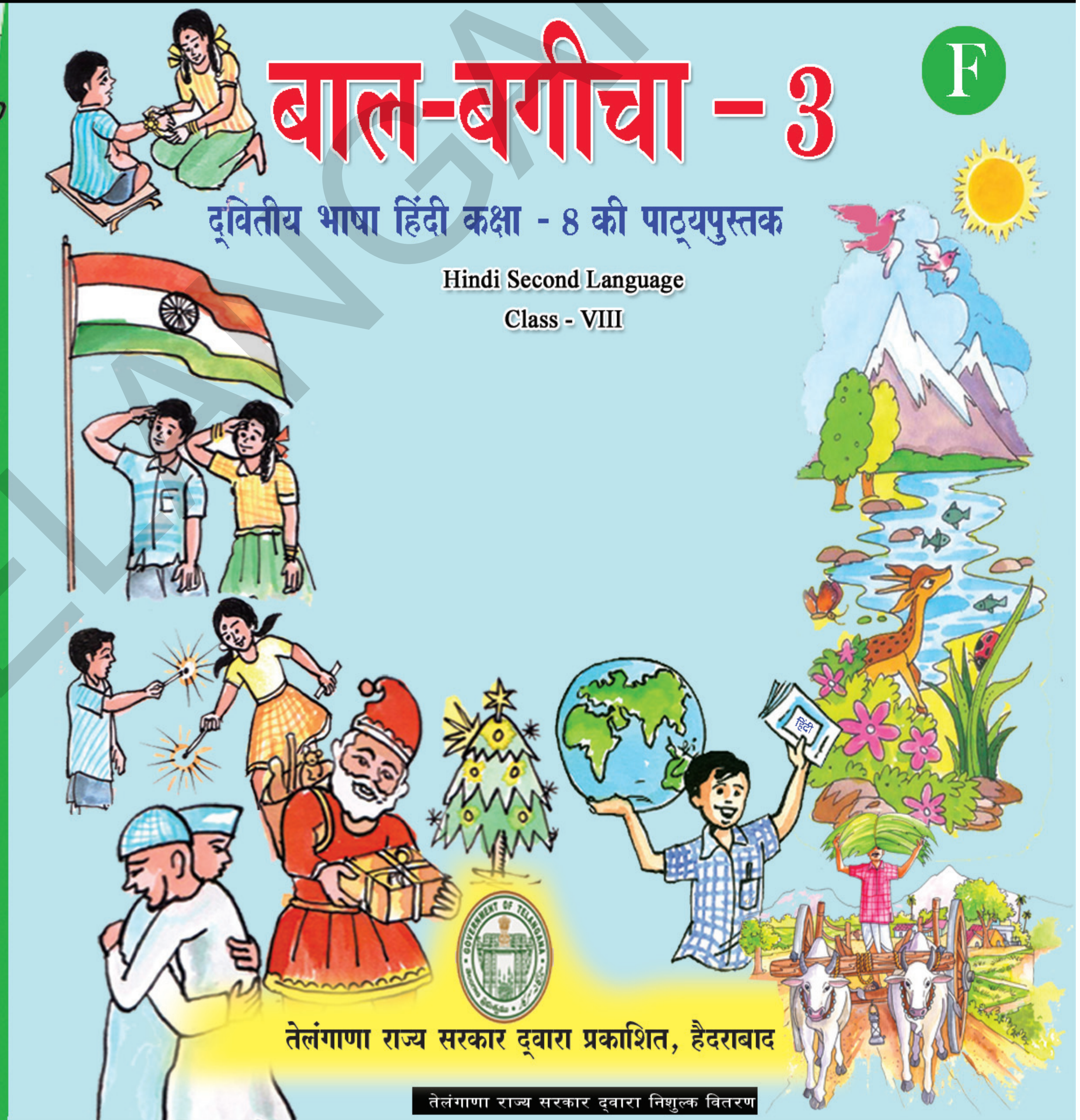

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा प्रकाशित, हैदराबाद

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण

SCERT TELANGANA

बच्चो! इन सूचनाओं पर ध्यान दीजिए...

* यह पाठ्यपुस्तक आप के स्तर और रुचियों के अनुरूप बनायी गयी है। इससे आप भाषा के सभी कौशलों का विकास कर सकते हैं। इसके लिए अध्यापक का मार्गदर्शन व सहयोग ले सकते हैं।

* पाठ व अभ्यास करने के लिए गाइड, सब्जेक्ट मटेरियल, क्वश्चन बैंक आदि का उपयोग नहीं करना चाहिए। इनके बजाय 'शब्दकोश' का उपयोग करने से पाठ व अभ्यास आसानी से कर सकते हैं। इसके साथ-साथ समाचार पत्र, पुस्तकालय की पुस्तकें, बाल साहित्य आदि का पठन करना चाहिए, जिससे रचनात्मक व सारांशात्मक आकलन के उत्तर आसानी से लिख सकते हैं।

* हर पाठ के प्रारंभ में उन्मुखीकरण का चित्र दिया गया है। इस चित्र के माध्यम से आपको सबसे पहले संज्ञा शब्दों की पहचान, तत्पश्चात क्रिया शब्दों की पहचान और सोच-विचार कर वाक्यों द्वारा करनी चाहिए ।

* हर पाठ में 'सुनो-बोलो' अभ्यास के प्रश्न दिये गये हैं। इन प्रश्नों के उत्तर विचारात्मक होने चाहिए। इससे आपकी बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।

* हर पाठ में 'पढ़ो' अभ्यास के प्रश्न दिये गये हैं। इन प्रश्नों के उत्तर पाठ पढ़कर देने चाहिए। पढ़ो अभ्यास का उद्देश्य वाचन व अर्थग्राह्यता की क्षमता का विकास करना है।

* हर पाठ में 'लिखो' अभ्यास के प्रश्न दिये गये हैं। इन प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में देना चाहिए। इसे 'स्वरचना' भी कहते हैं। आपको अपने विचार लिखित रूप में व्यक्त करने चाहिए।

* हर पाठ में 'शब्द-भंडार' व 'भाषा की बात' के अभ्यास दिये गये हैं। इन अभ्यासों का हल समूहों में बैठकर करना चाहिए। आवश्यकतानुसार अध्यापक का सहयोग लेना चाहिए।

* 'परियोजना कार्य' स्वयं करके सीखने का कार्य है। इसे व्यक्तिगत या समूह में बैठकर करना चाहिए।

* हर पाठ में 'सृजनात्मक अभिव्यक्ति' अभ्यास के प्रश्न दिये गये हैं। इन प्रश्नों के उत्तर मौखिक, लिखित अथवा प्रदर्शन (अभिनय) के रूप में देना चाहिए जिससे भाषा का सृजनशील विकास होता है।

* स्वमूल्यांकन के लिए 'क्या मैं ये कर सकता हूँ?' शीर्षक से एक तालिका दी गई है। आपको अपनी भाषाई क्षमता की जाँच स्वयं करनी चाहिए।

इस पाठ्यपुस्तक द्वारा छात्रों में अर्जित की जानेवाली दक्षताएँ

सुनना-बोलना
- गीत, सूचनाएँ, कहानियाँ, वार्तालाप, निबंध आदि सुनकर अर्थ ग्रहण कर सकेंगे। अपने शब्दों में बोल सकेंगे।
- जाने और सुने गये अंशों के बारे में स्पष्ट उच्चारण के साथ सही क्रम में बोल सकेंगे, गीत गा सकेंगे, अभिनय कर सकेंगे।
- विभिन्न परिस्थितियों में संदर्भोचित भाषा का उपयोग कर सकेंगे।

पढ़ना
- गीत सूचनाएँ, कहानियाँ, वार्तालाप, निबंध आदि धाराप्रवाह के साथ पढ़ सकेंगे। पढ़े गए अंशों से संबंधित प्रश्नों का समाधान कर सकेंगे।
- पढ़े गए अंशों के शब्दों को संदर्भानुसार ग्रहण कर सकेंगे।
- पर्याय शब्द, विलोम शब्द, युग्म शब्द पहचान सकेंगे।

लिखना
- पढ़े गए विषयों को समझ सकेंगे, बोल सकेंगे, लिख सकेंगे।
- विभिन्न रूपों में पाये जाने वाले बाल-साहित्य को धाराप्रवाह के साथ पढ़ सकेंगे और अर्थ समझ कर लिख सकेंगे।
- पाठ्यपुस्तक में पीछे दिए गए शब्दों के अर्थ समझ सकेंगे और उनका उपयोग कर सकेंगे।
- जाने, सुने और देखे हुए विषयों - कहानियों, स्व-अनुभव, पसंद-नापसंद आदि के बारे में पाँच वाक्यों में अपने शब्दों में लिख सकेंगे।
- लिखते समय, सही शब्दों को क्रमानुसार, विराम चिह्नों का उपयोग करते हुए बिना त्रुटियों के लिख सकेंगे।

शब्द-भंडार
- शब्द भंडार का संदर्भोचित उपयोग कर सकेंगे, अपने वाक्यों में प्रयोग कर सकेंगे।
- दिए गए शब्दों से नए शब्द बना सकेंगे, उनका उपयोग कर सकेंगे।

सृजनात्मक अभिव्यक्ति
- कविता, कहानियाँ आगे बढ़ा सकेंगे। वार्तालाप, आत्मकथा, पत्र आदि लिख सकेंगे।
- चित्र उतारकर रंग भर कर उनके बारे में लिख सकेंगे।

प्रशंसा
- सहपाठियों, महिलाओं, अन्य वर्गों, अन्य संस्कृतियों, भाषाओं, महानुभावों आदि की प्रशंसा कर सकेंगे।

भाषा की बात
- अर्थपूर्ण वाक्य बना सकेंगे। वाक्य में भाषा भाग पहचान सकेंगे।

SCERT TELANGANA

बाल-बगीचा - ३

कक्षा -८ हिंदी (द्वितीय भाषा)

Class-VIII Hindi (Second Language)

संपादक

प्रो. टी. वी. कट्टीमनी
अध्यक्ष, हिंदी विभाग, मौलाना आज़ाद नेशनल उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद

प्रो. शकुंतला रेड्डी
क्षेत्रीय निदेशक, केंद्रीय हिंदी संस्थान, हैदराबाद

प्रो. शुभदा वांजपे
प्रोफेसर, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद

डॉ. अनीता गांगुली
एसोसिएट प्रोफेसर, केंद्रीय हिंदी संस्थान, हैदराबाद

विषय विशेषज्ञ

श्री सुवर्ण विनायक
शैक्षिक सलाहकार,राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद,
तेलंगाणा राज्य, हैदराबाद

डॉ. रमाकांत अग्निहोत्री
सेवानिवृत्त भाषाविद्, भारतीय भाषा आधार पत्र संपादक,
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

समन्वयक

डॉ. पी. शारदा
राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं
प्रशिक्षण परिषद, तेलंगाणा राज्य, हैदराबाद

श्री सय्यद मतीन अहमद
राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं
प्रशिक्षण परिषद, तेलंगाणा राज्य, हैदराबाद

श्री सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'
राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, तेलंगाणा राज्य

पाठ्यपुस्तक विकास एवं प्रकाशन समिति

श्री ए. सत्यनारायण रेड्डी
निदेशक,
राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं
प्रशिक्षण परिषद, तेलंगाणा राज्य, हैदराबाद

डॉ. एन. उपेंदर रेड्डी
अध्यक्ष, पाठ्यक्रम एवं पाठ्यपुस्तक विभाग
राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं
प्रशिक्षण परिषद, तेलंगाणा राज्य, हैदराबाद

श्री बी. सुधाकर
निदेशक,
सरकारी पाठ्यपुस्तक प्रेस
तेलंगाणा राज्य, हैदराबाद

श्रीमती चारू सिन्हा, I.P.S
(विशेष सलाहकार लैंगिक संवेदनशीलता तथा बाल लैंगिक प्रताड़ना)
निदेशक, ACB तेलंगाणा, हैदराबाद

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा प्रकाशित, हैदराबाद

विद्या से आगे बढ़ो।
विनय से रहो।

क़ानून का आदर करो।
अधिकार प्राप्त करो।

'हिंदी देश को जोड़ने वाली भाषा है। - राष्ट्रकवि दिनकर'

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2020-21

© Government of Telangana State, Hyderabad

First Published 2013

New Impressions 2014, 2015, 2016, 2017, 2018, 2019, 2020

All rights reserved

No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted, in any form or by any means without the prior permission in writing of the publisher, nor be otherwise circulated in any form of binding or cover other than that in which it is published and without a similar condition including this condition being imposed on the subsequent purchaser.

The copy right holder of this book is the Director of School Education, Hyderabad, Telangana State.

This Book has been printed on 70 G.S.M. Maplitho
Title Page 200 G.S.M. White Art Card

Free Distribution by Telangana State Government 2020-21

SCERT TELANGANA

Printed in India
at Telangana State Govt.Text Book Press,
Mint Compound, Hyderabad,
Telangana State.

आमुख

तेलंगाणा राज्य में हिंदी भाषा शिक्षण द्‌वितीय भाषा के रूप में छठवीं कक्षा से आरंभ किया जाता है। इस स्तर पर बालकों की आयु प्रायः ग्यारह-बारह वर्ष की होती है। इस आयु में बालक भाषा का अर्थ और महत्व समझते तो हैं ही, साथ-साथ अपनी मातृभाषा व अंग्रेज़ी की भी जानकारी रखते हैं। इतना ही नहीं वे अपने अड़ोस-पड़ोस से भी कुछ हिंदी भाषा के शब्द सीख लेते हैं। हमें ज्ञात है कि बालक भाषा अधिगम साधारणतया सहज व व्यावहारिक रूप में करते हैं। इन बातों के अतिरिक्त एनसीएफ-2005, आरटीई-2009, एससीएफ-2010 एवं आधार पत्र-2011 के सुझावों को ध्यान में रखते हुए इस पाठ्य-पुस्तक का सृजन किया गया है।

त्रिभाषा सूत्र के अनुसार बालकों को माध्यमिक स्तर पर कम-से-कम तीन भाषाओं का ज्ञान कराना है। इस उद्‌देश्य से बालकों को छठवीं से दसवीं कक्षा तक द्‌वितीय भाषा के रूप में हिंदी का ज्ञान कराना है। छठवीं कक्षा में हिंदी शिक्षण का आरंभ होता है। इस स्तर पर छात्रों में हिंदी भाषा के प्रति रुचि उत्पन्न कराना, छात्रों को जिज्ञासु बनाना व सहज, व्यावहारिक एवं मनोरंजक रूप से भाषार्जन के लिए प्रेरित करना हिंदी शिक्षण के उद्‌देश्य रहे हैं।

इस पाठ्य-पुस्तक में गीत, कविता, कहानी, संवाद, चुटकुले, पत्र, आत्मकथा, जीवनी, डायरी, प्रायोगिक निबंध आदि को स्थान दिया गया है। इनके अभ्यास शैक्षिक मापदंड (सीखने की संप्राप्तियाँ) के अंतर्गत दिये गये हैं। इन्हें बालकों के व्यावहारिक जीवन से जोड़ा गया है। इनके द्‌वारा छात्रों में, सोच-विचार कर उत्तर देने, तुलना कर निष्कर्ष निकालने और नवीन ज्ञान का संबंध पूर्व ज्ञान से जोड़ने की प्रवृत्ति का विकास होता है। इससे बालक को सृजनशीलता के भरपूर अवसर मिलते हैं। वे अर्जित ज्ञान के आधार पर नवीन ज्ञान की रचना करते हैं। ये अभ्यास पूर्णतः सहज व व्यावहारिक रूप से भाषार्जन करने में सहायक हैं।

पाठशाला शिक्षा विभाग द्‌वारा प्रकाशित विद्‌यालयीन पाठ्यपुस्तकों में लैंगिक संवेदनशीलता तथा बाल लैंगिक प्रताड़ना संबंधित मुद्‌दों को जोड़ा गया है। यूनिसेफ के समर्थन से बच्चों की सुरक्षा को आश्वस्त करने के लिए भिन्न-भिन्न हस्तक्षेपों जैसे व्यक्तिगत सुरक्षा नियम, लैंगिक संवेदनशीलता, बाल लैंगिक प्रताड़ना, आत्मविश्वास, जीवन कौशल के क्षेत्रों में बाल सुरक्षा व्यवस्था तथा बाल सुरक्षा नियमों की सावधानी बरती गयी है।

अतः अध्यापकों को चाहिए कि इन विषयों के संबंध में अनिवार्य जानकारी रखें और छात्रों एवं उनसे जुड़े समुदायों तक पहुँचाएँ।

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद विद्‌या भवन संदर्भ केंद्र, उदयपुर के संसाधकगण- श्री कुमार अनुपम तथा श्री प्रदीप कुमार झा के सुझावों के लिए धन्यवाद ज्ञापित करती है। परिषद उन समस्त रचनाकारों के प्रति भी आभार व्यक्त करती है, जिनकी रचनाएँ पुस्तक में शामिल की गयी हैं। रचनाओं के प्रकाशनार्थ अनुमति देने के लिए राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली तथा अन्य सभी राज्य परिषदों, जिन्होंने इस पुस्तक को साकार रूप देने में सहयोग दिया है, उनके प्रति हम आभार प्रकट करते हैं।

निदेशक
राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद
तेलंगाणा राज्य, हैदराबाद

SCERT TELANGANA

अध्यापकों के लिए सूचनाएँ

* इस पाठ्य-पुस्तक में 12 पाठ हैं। इन्हें चार इकाइयों में विभाजित किया गया है। इन्हें निर्धारित वार्षिक पाठयोजना के अनुसार पढ़ायें।
* इस पाठ्य-पुस्तक में अपेक्षित कौशलों व सामर्थ्यों की सूची दी गयी है। इसी के आधार पर छात्रों में दक्षताओं का विकास करने पर ध्यान दें।
* पाठ्य-पुस्तक में पाठ संबंधी चित्र दिये गये हैं। इनके माध्यम से बच्चों से बातचीत करवायें। दिये गये प्रश्नों के आधार पर बालकों को विविध दृष्टिकोण से सोचने का अवसर दें।
* पाठ का अध्यापन संदर्भोचित चित्र या प्रस्तावना चित्र से आरंभ हुआ है। इससे संबंधित विचारशील प्रश्न पूछें। अभिनययुक्त पठन-पाठन करवायें।
* हर पाठ के अभ्यास में सुनना, बोलना, पढ़ना और लिखना कौशलों से संबंधित अभ्यासों के साथ-साथ शब्द-भंडार, भाषा की बात, सृजनात्मक अभिव्यक्ति से संबंधित अभ्यास भी दिये गये हैं। इन सभी का सदुपयोग कर, छात्रों में भाषागत कौशलों व विविध दक्षताओं का समुचित विकास करने का प्रयास करें। बालगीत या वार्तालाप या कहानी आदि पाठों के लिए सुनने-बोलने संबंधी क्रियाएँ कक्षा में सामूहिक रूप से करवायें। सबको स्वतंत्र व सहज रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित करें।
* पढ़ना-लिखना अभ्यास कार्य छात्रों को समूहों में बाँटकर करवायें, जिससे उनमें सामूहिक रूप से कार्य करने की प्रवृत्ति का विकास हो। इन अभ्यास कार्यों के निर्देश छात्रों को भली-भाँति समझने का अवसर देने वाले होने चाहिए, जिससे वे स्वयं अभ्यास कर सकें।
* छात्रों के पास एक कक्षा कार्य पुस्तिका होनी चाहिए, जिसमें वे पाठ संबंधी लेखन कार्य कर सकें।
* इस पाठ्य-पुस्तक में बालक के व्यावहारिक जीवन में आनेवाली शब्दावली का प्रयोग किया गया है। इस पर ध्यान देते हुए भाषा-अधिगम की प्रक्रिया का संबंध बालक के जीवन से जोड़ें ताकि बालक सरलता से भाषागत विकास कर सकें।
* यह पुस्तक बालक को पुस्तकालय की विविध पुस्तकें पढ़ने के लिए प्रेरणा देती है। अतः इस दिशा में बालकों को प्रेरित करें।
* प्रत्येक इकाई में पठन हेतु पाठ भी दिया गया है। इसके द्वारा छात्र स्वयं उसका पठन करके आत्मसात करने की क्षमता का विकास कर सकें। इस संदर्भ में अध्यापक छात्रों का सहयोग व मार्गदर्शन करें।
* विविध पाठों के आधार पर संदर्भानुसार छात्रों को मानव मूल्य, पर्यावरण, शांति, अहिंसा, संवैधानिक मूल्य आदि का व्यावहारिक प्रशिक्षण दें, जिससे छात्र आदर्श नागरिक बन सकें।

SCERT TELANGANA

राष्ट्र-गान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे!
भारत भाग्य विधाता।
पंजाब, सिंध, गुजरात, मराठा,
द्राविड़, उत्कल बंग।
विंध्य, हिमाचल, यमुना, गंगा
उच्छल जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे।
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय गाथा!
जन-गण-मंगलदायक जय हे!
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे! जय हे! जय हे!
जय, जय, जय, जय हे!

- रवींद्रनाथ टैगोर

वंदेमातरम्

वंदेमातरम् वंदेमातरम्
सुजलाम् सुफलाम् मलयज शीतलाम्
सस्यश्यामलाम् मातरम् वंदेमातरम्
शुभ्रज्योत्सना पुलकित यामिनी
पुल्ल कुसुमिता द्रुमदल शोभिनी
सुहासिनी सुमधुर भाषिणी
सुखदाम् वरदाम् मातरम्
वंदेमातरम्

-बंकिमचंद्र चटर्जी

सारे जहाँ से अच्छा

सारे जहाँ से अच्छा हिंदोस्ताँ हमारा।
हम बुलबुलें हैं इसकी, ये गुलसिताँ हमारा।।
परबत वो सबसे ऊँचा, हमसाया आसमाँ का।
वो संतरी हमारा, वो पासबाँ हमारा।।
गोदी में खेलती हैं, इसकी हज़ारों नदियाँ।
गुलशन है जिनके दम से, रश्क-ए-जिनाँ हमारा।।
मज़हब नहीं सिखाता, आपस में बैर रखना।
हिंदी हैं हम वतन हैं, हिंदोस्ताँ हमारा।।

- मोहम्मद इक़बाल

प्रतिज्ञा

भारत मेरा देश है और समस्त भारतीय मेरे भाई-बहन हैं। मैं अपने देश से प्रेम करता हूँ और इससे प्राप्त विशाल एवं विविध ज्ञान-भंडार पर मुझे गर्व है। मैं सर्वदा इस देश एवं इसके ज्ञान-भंडार के अनुरूप बनने का प्रयास करूँगा। मैं अपने माता-पिता और अध्यापकों तथा समस्त गुरुजनों का आदर करूँगा और प्रत्येक व्यक्ति के प्रति नम्रतापूर्वक व्यवहार करूँगा। मैं जीव-जंतुओं से भी प्रेमपूर्वक व्यवहार करूँगा। मैं अपने देश और उसकी जनता के प्रति अपनी भक्ति की शपथ लेता हूँ। उनके मंगल एवं समृद्धि में ही मेरा सुख निहित है।

- पैडिमर्रि वेंकट सुब्बाराव

SCERT TELANGANA

सीखने की संप्राप्ति

हिंदी

कक्षा आठ

बच्चे....

- विभिन्न विषयों पर आधारित विविध प्रकार की रचनाएँ पढ़कर चर्चा करते हैं।
- हिंदी भाषा में उपलब्ध विभिन्न प्रकार की सामग्री को समझकर पढ़ते हैं और उसमें अपनी टिप्पणी, राय, निष्कर्ष आदि को मौखिक/लिखित/सांकेतिक भाषा में अभिव्यक्त करते हैं।
- पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं।
- विभिन्न संवेदनशील मुद्दों/विषयों, जैसे-जाति, धर्म, रंग, जेंडर, रीति-रिवाजों के बारे में अपने मित्रों अध्यापकों या परिवार से प्रश्न करते हैं, जैसे-अपने मोहल्ले के लोगों से त्यौहार मनाने के तरीके पर बातचीत करना।
- विभिन्न प्रकार की सामग्री, जैसे लेख, रिपोर्ताज, संस्मरण, निबंध, व्यंग्य आदि को पढ़ते हुए अथवा पाठ्यवस्तु की बारीकी से जाँच करते हुए उसके बारे में अनुमान लगाते हैं, विश्लेषण करते हैं और किसी विशेष विषयों को खोजते हैं।
- विभिन्न पठन सामग्रियों में प्रयुक्त शब्दों, मुहावरों, लोकोक्तियों के अर्थ समझते हुए उनकी सराहना/प्रयोग करते हैं।
- विभिन्न पठन सामग्रियों को पढ़ते हुए उनके शिल्प की सराहना करते हैं और अपने स्तरानुकूल मौखिक, लिखित, ब्रेल/सांकेतिक रूप में उसके बारे में अपनी विचार व्यक्त करते हैं।
- किसी पाठ्यवस्तु को पढ़ने के दौरान समझने के लिए शब्दकोश, मानचित्र, इंटरनेट या अन्य पुस्तकों का प्रयोग करते हैं।
- पढ़ने और लिखने के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए अपनी बात को प्रभावी तरीके से लिखते/अभिव्यक्त करते हैं।
- भाषा की बारीकियों का लिखित प्रयोग करते हैं, जैसे- कविता के शब्दों को बदलकर अर्थ और लय को समझना।
- अपने अनुभवों को अपनी भाषा शैली में लिखते हैं। लेखन के विविध तरीकों और शैलियों का प्रयोग करते हैं, जैसे-विभिन्न तरीकों से (कहानी, कविता, निबंध आदि) कोई अनुभव लिखना।
- दैनिक जीवन से अलग किसी घटना/स्थिति पर विभिन्न तरीके से सृजनात्मक ढंग से लिखते हैं, जैसे-सोशल मीडिया पर, नोटबुक पर या संपादक के नाम पत्र आदि।
- विविध कलाओं जैसे-हस्तकला, वस्तुकला, खेती-बाड़ी, नृत्यकला, संगीत आदि में प्रयोग होनेवाली भाषा (रजिस्टर) का सृजनात्मक प्रयोग करते हैं।
- अपने अनुभवों को अपनी भाषा-शैली में अभिव्यक्त करते हैं।

SCERT TELANGANA

क्या कहाँ है?

इकाई	क्र. सं.	पाठ का नाम	विधा	माह	पृष्ठ
I	1.	हम होंगे कामयाब	गीत	जून	1
	*	हँसी - खुशी	चुटकुले	जून	5
	2.	राजा बदल गया	कहानी	जुलाई	6
	3.	प्यारा गाँव	संवाद	जुलाई	12
II	4.	कौन?	कविता	अगस्त	17
	*	ऐसा प्यारा देश है मेरा	कविता	अगस्त	21
	5.	धरती की आँखें	कहानी	सितंबर	22
	6.	दिल्ली से पत्र	पत्र	सितंबर	29
III	7.	त्यौहारों का देश	कविता	अक्तूबर	34
	8.	चावल के दाने	कहानी	नवंबर	39
	9.	मैं सिनेमा हूँ	आत्मकथा	नवंबर	45
	*	भाषा खेल	-	दिसंबर	52
IV	10.	अनमोल रत्न	कविता	दिसंबर	53
	11.	हार के आगे जीत है	जीवनी	जनवरी	57
	12.	बढ़ते कदम	डायरी	फरवरी	62
	*	आओ पत्रिका निकालें	प्रायोगिक निबंध	फरवरी	67

सूचना : * तारांकित पाठ केवल पढ़ने के लिए हैं। कृपया परीक्षा में इन पाठों से संबंधित कोई प्रश्न न पूछें।

SCERT TELANGANA

 तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2020-21

सहभागी गण

श्री सय्यद मतीन अहमद
हिंदी समन्वयक, एस.सी.ई.आर.टी., तेलंगाणा राज्य

श्री सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'
एस.सी.ई.आर.टी. तेलंगाणा राज्य

डॉ. पी. शारदा
एस.सी.ई.आर.टी. तेलंगाणा राज्य

श्री मुहम्मद सुलेमान अली 'आदिल'
राज्य हिंदी संसाधक, तेलंगाणा राज्य

श्री के. शिवराजन
राज्य हिंदी संसाधक, तेलंगाणा राज्य

डॉ. मयाना खदीरुल्ला
राज्य हिंदी संसाधक, आंध्र प्रदेश

श्री. बी. रमेश बाबू
राज्य हिंदी संसाधक, आंध्र प्रदेश

श्रीमती एन. हेमलता
राज्य हिंदी संसाधक, तेलंगाणा राज्य

श्री. ई. जे. नरेश
प्राध्यापक, गवर्नमेंट जूनियर कॉलेज, धर्मवरम्
अनंतपूर, आं. प्र.

चित्रांकन

श्री कुरेल्ला राघवाचारी
जि. प. उ. पा,
नकरेकल, जिलाः नलगोंडा, तेलंगाणा राज्य

श्रीमती पार्वती
हिंदू जूनियर कॉलेज हाईस्कूल
जिलाः गुंटूर, आंध्रप्रदेश

श्री चेंचला वेंकटरमणा
प्रा. पा. ग्राः वीर्यानायक टांडा, मंःजाजिरेड्डीगुड़ेम,जिः नलगोंडा, तेलंगाणा राज्य

श्री कस्तूरी प्रभाकर
जि. प. उ. पा.,ग्रामः पिल्ललामर्री, मंडलः सूर्यापेट, जिलाः नलगोंडा, तेलंगाणा राज्य

श्री सय्यद हश्मतुल्ला
जी.एच.एस. क़ाज़ीपेट जागीर,
मंः हनमकोंडा,जिः वरंगल, तेलंगाणा राज्य

श्री वड्डेपल्ली वेंकटेशम
प्रा. पा.ग्राः सोमावरम, मंः नेरेड्डचर्ला,
जिः नलगोंडा, तेलंगाणा राज्य

ले आउट & डिज़ाइन - श्री कुर्रा सुरेश बाबू, आरीफ़ा सुल्ताना - तेलंगाणा हिंदी अकादमी, हैदराबाद

SCERT TELANGANA

इकाई - I

1. हम होंगे कामयाब

प्रश्न :

1. चित्र में क्या-क्या दिखायी दे रहा है?
2. वे क्या कर रहे हैं?
3. वे एक-दूसरे से क्या कह रहे होंगे?

छात्रों के लिए सूचनाएँ :

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्रों के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. पाठ पढ़िए। नये शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2020-21

होंगे कामयाब, होंगे कामयाब,
हम होंगे कामयाब, एक दिन
हो, हो! मन में है विश्वास,
पूरा है विश्वास, हम होंगे कामयाब एक दिन।।

होगी शांति चारों ओर, होगी शांति चारों ओर,
होगी शांति चारों ओर एक दिन।।
हो, हो! मन में है विश्वास, पूरा है विश्वास,
होगी शांति चारों ओर एक दिन।।

हम चलेंगे साथ-साथ, डाल हाथों में हाथ,
हम चलेंगे साथ-साथ एक दिन
हो, हो! मन में है विश्वास, पूरा है विश्वास,
हम चलेंगे साथ-साथ एक दिन।।

नहीं डर किसी का आज, नहीं डर किसी का आज,
नहीं डर किसी का आज, एक दिन
हो, हो! मन में है विश्वास, पूरा है विश्वास,
नहीं डर किसी का आज, एक दिन।।

SCERT TELANGANA

मूल कवि: चार्ल्स अलबर्ट टिंड्ली
जीवन काल: 1851 - 1933
रचना : न्यू सांग्स ऑफ पेराडाइज़।

अनुवादक: गिरिजा कुमार माथुर
जीवन काल: 1919 - 1994
रचना : मैं वक्त के हूँ सामने।
पुरस्कार: साहित्य अकादमी पुरस्कार।

सुनो-बोलो

1. पाठ में दिये गये चित्रों के बारे में बातचीत कीजिए।
2. कामयाब होने के लिए क्या करना चाहिए?

पढ़ो

(अ) नीचे दी गयी पंक्तियों के भाव बताने वाली पंक्तियाँ कविता में रेखांकित कीजिए।

1. हम में पूरा विश्वास है।
2. हम एक दिन अवश्य सफल होंगे।

(आ) नीचे दी गयी पंक्तियों में रेखांकित शब्द से एक और वाक्य बनाइए।

1. हम होंगे कामयाब एक दिन। - सम्राट अशोक शांति की राह में कामयाब हुए।
2. होगी शांति चारों ओर एक दिन। - ....
3. नहीं डर किसी का आज। - ....

लिखो

(अ) नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1. कोई भी काम विश्वास के साथ क्यों करना चाहिए और मन में विश्वास कैसे उत्पन्न होता है?
2. बच्चों में कैसे-कैसे डर उत्पन्न होते हैं?

(आ) इस कविता का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

शब्द भंडार

(अ) नीचे दिये शब्दों के अर्थ तेलुगु या अंग्रेज़ी में लिखकर वाक्य प्रयोग कीजिए।

विश्वास	నమ్మకం	हर काम विश्वास के साथ करना चाहिए।
शांति		
कामयाब		

SCERT TELANGANA

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

(अ) सफलता विषय पर एक छोटा-सा निबंध लिखिए।

प्रशंसा

(अ) कोई भी काम करने में सहयोग का क्या महत्व है?

परियोजना कार्य

(अ) किसी कामयाब व्यक्ति की जानकारी इकट्ठा कीजिए। पाँच वाक्य लिखिए।

भाषा की बात

(अ) नीचे दिये गये वाक्य ध्यान से पढ़िए।

हम होंगे कामयाब एक दिन।

ऊपर दिये गये वाक्य में 'हम' का प्रयोग बहुवचन के लिए हुआ है। यदि हम की जगह आप, ये और वे का प्रयोग करते हैं, तो वाक्य इस तरह होंगे-

आप - आप होंगे कामयाब एक दिन।

ये - ये होंगे कामयाब एक दिन।

वे - वे होंगे कामयाब एक दिन।

अब आप नीचे दिये गये वाक्य से भी इसी तरह के वाक्य बनाइए।

हम चलेंगे साथ-साथ एक दिन।

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. कविता गा सकता/सकती हूँ।		
2. इस तरह की कविताएँ पढ़कर समझ सकता/सकती हूँ।		
3. कविता के शब्दों से वाक्य बना सकता/सकती हूँ।		

विचार-विमर्श

अपने गुण और कौशल की जानकारी मन में आत्मविश्वास पैदा करती है।

SCERT TELANGANA

पठन हेतु

हँसी – खुशी

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2020-21

इकाई – I

2. राजा बदल गया

SCERT TELANGANA

प्रश्न :

1. चित्र में क्या-क्या दिखायी दे रहा है?
2. लड़का क्या कर रहा है?
3. यह लड़का हमें क्या बताना चाहता है?

छात्रों के लिए सूचनाएँ :

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्रों के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. पाठ पढ़िए। नये शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

एक लड़का था। उसका नाम राजेश था। वह जंगल में जा रहा था। रास्ते में उसे एक सोने का सिक्का मिला। वह सोचने लगा - ''यह सिक्का मेरा तो है ही नहीं, इसे क्या करूँ लेकर... जाने किस बेचारे का सिक्का यहाँ गिर गया है। अब न तो इसे रख सकता हूँ और न ही फेंक सकता हूँ, क्या करूँ इसका?''

यही सब सोचते हुए वह आगे बढ़ा चला जा रहा था। रास्ते में माला जपते हुए एक साधु महाराज उसे मिले। उसने सोचा, क्यों न यह सिक्का साधु को ही दे दूँ।

राजेश ने जब वह सिक्का साधु को दिया तो सोने के सिक्के को देखकर साधु ने आश्चर्य से कहा-''बेटा! यह सिक्का हमारे जैसे साधुओं के लिए नहीं है। इसे तो किसी ग़रीब को दे दो ताकि वह अपना पेट भर सकें।''

साधु की बात मानकर राजेश आगे चला तो उसने देखा कि किसी राजा की सेना चली जा रही है। इतनी बड़ी सेना को देखकर वह सोचने लगा कि ज़रूर कोई बात रही होगी, जो राजा अपनी सेना लिये जा रहे हैं। उसने एक सैनिक से पूछा-''भाई! आपके राजा इतनी बड़ी सेना लिये कहाँ जा रहे हैं?''

''ये हमारे राजा शूर सिंह हैं, जो पड़ोसी देश पर आक्रमण कर उसे

SCERT TELANGANA

लूटने जा रहे हैं।''- उसने जवाब दिया।

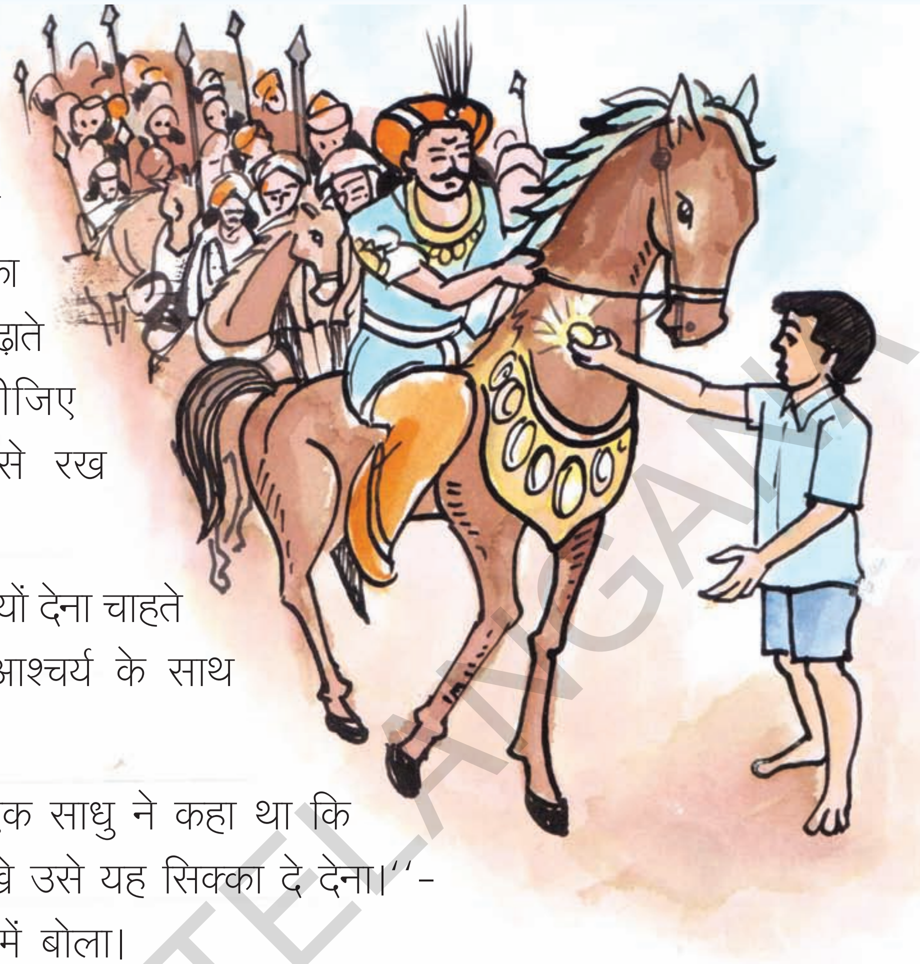

राजेश राजा के पास गया। सोने का सिक्का उनकी ओर बढ़ाते हुए कहा - ''लीजिए महाराज! आप इसे रख लीजिए।''

''बेटा! मुझे क्यों देना चाहते हो?''- राजा ने आश्चर्य के साथ पूछा।

''महाराज! एक साधु ने कहा था कि जो सबसे ग़रीब दिखे उसे यह सिक्का दे देना।''- राजेश करुण स्वर में बोला।

''मैं राजा हूँ, राजा! मैं तुझे ग़रीब लगता हूँ?''- राजा क्रोध में बोला।

''महाराज! यदि आप अमीर होते तो दूसरे देश को लूटने के लिए इतनी बड़ी सेना लेकर क्यों जाते?''

राजेश की बात राजा की समझ में आ गयी। उन्हें अपनी गलती का अहसास हुआ। राजेश की प्रशंसा करते हुए उन्होंने सेना को वापस लौटने का आदेश दिया।

उस दिन से राजा ने अपनी संपत्ति जनता की सेवा में खर्च करना आरंभ कर दिया।

SCERT TELANGANA

सुनो-बोलो

1. पाठ में दिये गये चित्रों के बारे में बातचीत कीजिए।

2. इस पाठ का कोई दूसरा नाम क्या हो सकता है?

पढ़ो

(अ) ''भाई! आपके राजा इतनी बड़ी सेना लिये कहाँ जा रहे हैं?'' यह वाक्य जिस अनुच्छेद में है, उसे पढ़ो और बताओ कि राजेश ने यह वाक्य किस उद्देश्य से कहा?

(आ) नीचे दिये गये वाक्य पढ़कर पाठ के आधार पर सही क्रम में लिखिए।

1. ''लीजिए महाराज! आप इसे रख लीजिए।''
2. ''मैं राजा हूँ, राजा! मैं तुझे ग़रीब लगता हूँ?''
3. ''बेटा! मुझे क्यों देना चाहते हो?''
4. ''भाई! आपके राजा इतनी बड़ी सेना लिये कहाँ जा रहे हैं?''
5. ''इसे तो किसी ग़रीब को दे दो ताकि वह अपना पेट भर सके।''

लिखो

(अ) नीचे दिये प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1. कभी-कभी लोग किसी व्यक्ति को चिढ़ाकर या ताने कसकर तंग करते हैं। क्या तुमने या तुम पर किसी ने इस तरह का व्यवहार किया है?

2. हमारे व्यवहार से हमारे स्वभाव का पता चलता है। राजा का स्वभाव कैसा था? अपने शब्दों में लिखिए।

(आ) ''राजा बदल गया'' कहानी अपने शब्दों में लिखिए।

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2020-21

शब्द भंडार

(अ) उदाहरण देखिए और समझिए। इसी तरह आगे कुछ शब्द लिखिए।

उदाहरणः सैनिक – कम – मन – नल – लगन

1. जंगल	....	–	....	–	....
2. देश	....	–	....	–	....
3. एक	....	–	....	–	....

(आ) नीचे दिये गये शब्द पढ़िए। नीचे दिये गये शब्दों के विलोम शब्द लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

पास बड़ा गरीब देश

उदाहरण:पास × दूर – मक्का मसजिद, चारमीनार के पास है। बिरला मंदिर दूर है।

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

इस कहानी की किसी एक घटना को संवाद रूप में लिखिए।

प्रशंसा

अपने मित्र के व्यवहार या स्वभाव की प्रशंसा करते हुए एक घटना के बारे में बताइए। जिसमें मित्र का गुण या कौशल सामने आया हो।

SCERT TELANGANA

भाषा की बात

(अ) इस वाक्य को पढ़िए।

इतनी बड़ी सेना को देखकर वह सोचने लगा कि ज़रूर कोई बात रही होगी, जो राजा अपनी सेना को लिये जा रहे हैं। उसने एक सैनिक से पूछा- ''भाई! आपके राजा इतनी बड़ी सेना लिये कहाँ जा रहे हैं?''

ऊपर दिये अनुच्छेद में कुछ चिह्न आये हैं, जैसे - (,), (।), (-), ('' ''), (!), (?) इन चिह्नों को 'विराम चिह्न' (Punctuation) कहते हैं। बोलते अथवा पढ़ते समय अपनी बात को ठीक ढ़ग से कहने के लिए कुछ देर रुकना पड़ता है। रुकने की यह क्रिया व्याकरण की भाषा में 'विराम' कहलाती है। कहानी, लेख, निबंध आदि लिखते समय इस प्रकार के रुकने के स्थलों की स्पष्टता के लिए जिन चिह्नों का प्रयोग किया जाता है, उन्हें **विराम चिह्न** कहते हैं। विराम चिह्नों के उचित प्रयोग से ही भावों में स्पष्टता आती है।

(आ) अब इनमें से जो चिह्न पाठ में आये हैं, उन्हें ढूँढ़कर रेखांकित कीजिए।

परियोजना कार्य

अपनी मनपसंद कहानी कागज़ पर लिखकर दीवार पत्रिका पर चिपकाइए।

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. कहानी के बारे में बातचीत कर सकता/सकती हूँ।		
2. इस तरह के पाठ पढ़कर समझ सकता/सकती हूँ।		
3. पाठ के शब्दों से वाक्य बना सकता/सकती हूँ।		

विचार-विमर्श

अपना दुःख, दर्द, निराशा, समस्या अपने माता-पिता, अध्यापक या दोस्त को बताने से कम हो जाता है और कई बार समस्या का समाधान भी मिल जाता है।

SCERT TELANGANA

इकाई - I

3. प्यारा गाँव

प्रश्न :

1. इस चित्र में क्या-क्या दिखायी दे रहा है?
2. कौन क्या कर रहे हैं?
3. इस चित्र में आपको कौन-सा दृश्य सबसे अच्छा लगा और क्यों?

छात्रों के लिए सूचनाएँ :

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्रों के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. पाठ पढ़िए। नये शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

SCERT TELANGANA

(रानी और रमेश आठवीं कक्षा में पढ़ते हैं। गर्मी की छुट्टियों में दादाजी उन्हें अपने गाँव ले जाने के लिए आये। सब मिलकर सबेरे रेल से निकले। गाड़ी में बड़ी भीड़ थी। फिर भी जैसे-तैसे बैठने की जगह मिल गयी। शाम तक गाँव पहुँच गये। वहाँ स्टेशन के पास चाचाजी बैलगाड़ी लेकर तैयार थे।

बैलगाड़ी खेतों के किनारे-किनारे चलने लगी। खेतों में किसान काम कर रहे थे। पशु चर रहे थे। गाँव की हरियाली देखने लायक़ थी। बातों-बातों में घर आ गया। दादीजी से मिले। दादीजी ने बहुत लाड़-प्यार किया।

सबेरे दोनों दूध पीकर दादाजी के साथ गाँव घूमने निकले। रास्ते में बातें करते हैं...)

दादाजी : देखो! सामने कमलेश काका आ रहे हैं। इन्हें प्रणाम करो। (दोनों ने कमलेश काका को प्रणाम किया। वे बच्चों को देखकर खुश हुए।)

रानी :कमलेश काका क्या काम करते हैं?

दादाजी : वे लुहार हैं। वे लोहे का सामान जैसे- खुरपी, फावड़ा, हथौड़ा, पहिया, कुल्हाड़ी आदि सामान बनाते हैं। वह देखो! दामोदर दादा का मकान।

रमेश : दामोदर दादा क्या काम करते हैं?

दादाजी : दामोदर दादा गाँववालों के लिए मिट्टी के बरतन जैसे- घड़े, मटके, हँडी, मिट्टी के खिलौने आदि बनाते हैं। बच्चो! तुम्हें पता है मिट्टी के बर्तन बनाने वाले को क्या कहते हैं?

रानी : कुम्हार कहते हैं न दादाजी!

दादाजी : शाबाश! मेरी प्यारी रानी बेटी को तो सब कुछ पता है। वह देखो चंद्रय्या चाचा का घर। वे कपड़े बुनते हैं।

रानी : अच्छा दादा जी! कपड़ा बुनने वाली को क्या कहते हैं?

दादाजी : कपड़ा बुनने वाली को जुलाहा कहते हैं। कपड़ा मशीन और हाथ दोनों से बनाते हैं। हाथ से बनाने को हथकरघा कहते हैं। चंद्रय्या चाचा के घर के पास ही बाबय्या का घर भी है। वे बढ़ई

SCERT TELANGANA

का काम करते हैं।

रमेश : दादा जी! बढ़ई क्या काम करते हैं?

दादाजी : बढ़ई लकड़ी से हल, खिड़की, दरवाज़े, बैलगाड़ी और तरह-तरह के सामान बनाते हैं।

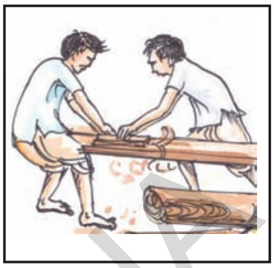

रानी : दादा जी! वहाँ देखिए। वे कौन हैं? वे क्या कर रहे हैं?

दादाजी : हाँ बेटा! वे सोने-चाँदी का काम करते हैं। वे सोने-चाँदी से तरह-तरह के आभूषण जैसे- अंगूठी, हार, चूड़ी आदि बनाते हैं।

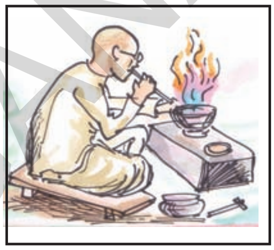

रमेश : दादा जी! उस गली में देखिए लंबे-लंबे बाँस हैं। बाँस से क्या-क्या बनाते हैं?

दादाजी : देखो बेटा! बाँस से टोकरी, झूले, खिलौने आदि बनाते हैं। इन चीज़ों को बनाने वाले को बंसोर कहते हैं।

रमेश : दादा जी! आपका गाँव बड़ा प्यारा है। यहाँ तो सभी तरह के काम करने वाले रहते हैं।

दादाजी : हाँ बेटा! यहाँ सभी तरह के काम करने वाले रहते हैं। ये एक-दूसरे की सहायता करते हैं और मिलजुलकर रहते हैं। वे अपने-अपने घरेलू उद्योगों से देश के विकास में भाग लेते हैं।

रानी : दादा जी! ये देखो कितने हरे-भरे खेत हैं।

दादाजी : हाँ बेटी! इन खेतों को हरा-भरा बनाने के लिए किसान दिन-रात मेहनत करते हैं। अन्न उगाते हैं। हमारी भूख मिटाते हैं। इसीलिए महात्मा गांधी जी ने कहा था- ''वास्तव में भारत गाँवों में ही बसता है।''

रमेश-रानी : हाँ दादा जी! आपने सही कहा। सच में गाँव बहुत प्यारे होते हैं।

विचार-विमर्श

वैज्ञानिकों के अनुसार हम सबमें नौ तरह की बुद्धिमत्ता होती है। भाषा बुद्धिमत्ता, तर्क गणित बुद्धिमत्ता, शारीरिक गतिबोधक बुद्धिमत्ता, संगीत बुद्धिमत्ता, स्थान विषयक बुद्धिमत्ता, अपने से जुड़ी अंतर्वैयक्तिक बुद्धिमत्ता, पारस्परिक बुद्धिमत्ता, प्रकृतिवादी बुद्धिमत्ता और आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता। इनका विकास अलग-अलग अनुपात में होता है। इनकी कोई सीमा नहीं होती। अभ्यास से इन्हें विकसित कर सकते हैं।

SCERT TELANGANA

सुनो-बोलो

1. चित्र में क्या-क्या दिखायी दे रहे हैं?
2. आपके गाँव में क्या-क्या देखने को मिलता है?

पढ़ो

(अ) नीचे दिये गये वाक्यों के अर्थ बतलाने वाले शब्द पाठ्य-पुस्तक से ढूँढ़िए और लिखिए।

(अ) गरमी के दिनों में इसमें पानी ठंडा रहता है।	**मटका**
(आ) छोटे बच्चे इससे खेलते हैं।	
(इ) इन्हें राष्ट्रपिता कहते हैं।	

(आ) नीचे अधूरे वाक्य दिये गये हैं, उन्हें पूरा कीजिए।

(अ) सामने कमलेश काका आ रहे हैं। उन्हें ....

(आ) दामोदर दादा गाँववालों के लिए ....

लिखो

(अ) नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1. हर किसी में कला, कौशल, प्रतिभा होती है, जिससे हम व्यवसाय कर सकते हैं। तुम्हें कौन-सा व्यवसाय पसंद है और क्यों?
2. अपने गाँव के बारे में लिखिए।

शब्द भंडार

निम्न लिखित शब्दों को वाक्यों में प्रयोग कीजिए। लुहार, कुम्हार, जुलाहा, सुनार, बंसोर

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

कल्पना कीजिए कि दादा जी शहर आते है। दादा जी और आप के बीच हुई बातचीत को वार्तालाप के रूप में लिखिए।

प्रशंसा

अपनी कला-कौशल और प्रतिभा को देखते हुए आप कौनसा काम करना पसंद करेंगे? अपने पसंदीदा क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए आप क्या करेंगे?

परियोजना कार्य

विभिन्न बुद्धिमत्ताओं के व्यवसायों के चित्र इकट्ठा कर कक्षा में प्रदर्शित कीजिए।

SCERT TELANGANA

भाषा की बात

(अ) नीचे दिया गया अनुच्छेद पढ़िए।

रानी और रमेश आठवीं कक्षा में पढ़ते हैं। गर्मी की छुट्टियों में दादाजी उन्हें अपने **गाँव** ले जाने के लिए आये। सब मिलकर सबेरे रेल से निकले। गाड़ी में बड़ी **भीड़** थी। फिर भी जैसे-तैसे बैठने की जगह मिल गयी। शाम तक गाँव पहुँच गये। वहाँ स्टेशन के पास चाचाजी बैलगाड़ी लेकर तैयार थे। बैलगाड़ी खेतों के किनारे-किनारे चलने लगी। खेतों में किसान काम कर रहे थे। **पशु** चर रहे थे। गाँव की **हरियाली** देखने लायक़ थी। बातों-बातों में घर आ गया। दादीजी से मिले। दादीजी ने बहुत लाड़-प्यार किया। सबेरे दोनों **दूध** पीकर दादाजी के साथ गाँव घूमने निकले।

ऊपर दिये अनुच्छेद में **रानी, गाँव, भीड़, पशु, हरियाली** और **दूध** शब्द किसी व्यक्ति, प्राणी, वस्तु, स्थान अथवा भाव का बोध कराते हैं। ऐसे शब्दों को संज्ञा कहते हैं। संज्ञा के पाँच भेद हैं। वे हैं-

1. **जातिवाचक संज्ञा** : जिस संज्ञा शब्द से किसी संपूर्ण जाति का बोध हो, वह जातिवाचक संज्ञा कहलाता है। उदाः <u>**लड़का**</u> खेलता है।
2. **व्यक्तिवाचक संज्ञा** : किसी विशेष व्यक्ति, वस्तु, स्थान का बोध कराने वाले शब्द व्यक्तिवाचक संज्ञा कहलाते हैं। उदाः <u>**रामू**</u> खेलता है।
3. **भाववाचक संज्ञा** : जिन शब्दों से किसी गुण, स्वभाव, दशा का बोध हो, वे भाववाचक संज्ञा कहलाते हैं। उदाः <u>**सुख-दुख**</u> आते जाते रहते हैं।
4. **समुदायवाचक संज्ञा** : ऐसे शब्द, जो किसी विशेष समुदाय या समूह का बोध कराते हैं, वे समुदायवाचक संज्ञा कहलाते हैं। उदाः <u>**सेना**</u> देश की रक्षा करती है।
5. **द्रव्यवाचक संज्ञा** : जो शब्द द्रव्य या विभिन्न धातुओं का बोध कराते हैं, वे द्रव्यवाचक संज्ञा कहलाते हैं। उदाः स्वच्छ <u>**जल**</u> पीना चाहिए।

(आ) नीचे दिये गये वाक्यों में आये संज्ञा शब्द ढूँढ़कर। रेखांकित कीजिए।

1. रानी पढ़ती है। 2. बालक खा रहा है। 3. हरियाली अच्छी होती है।

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. पाठ के बारे में बातचीत कर सकता/सकती हूँ।		
2. इस तरह के पाठ पढ़कर समझ सकता/सकतीहूँ।		
3. पाठ के शब्दों से वाक्य बना सकता/सकतीहूँ।		

SCERT TELANGANA

इकाई – II

4. कौन?

सोचो-बोलो

प्रश्न :

1. चित्र में क्या-क्या दिखायी दे रहा है?
2. वे क्या कर रहे हैं?
3. वे क्या सोच रहे होंगे?

छात्रों के लिए सूचनाएँ :

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्रों के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. पाठ पढ़िए। नये शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2020-21

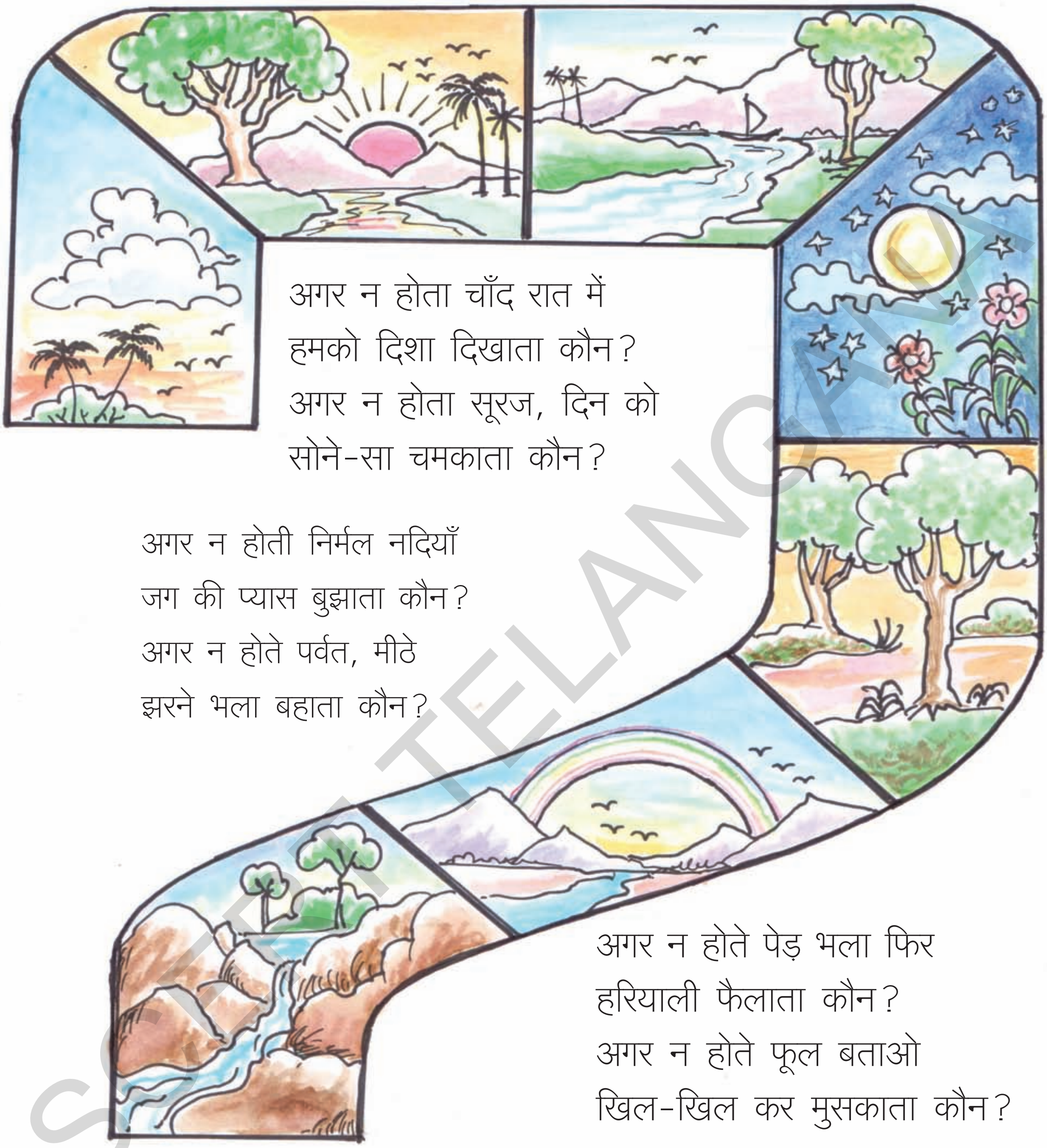

अगर न होता चाँद रात में
हमको दिशा दिखाता कौन?
अगर न होता सूरज, दिन को
सोने-सा चमकाता कौन?

अगर न होती निर्मल नदियाँ
जग की प्यास बुझाता कौन?
अगर न होते पर्वत, मीठे
झरने भला बहाता कौन?

अगर न होते पेड़ भला फिर
हरियाली फैलाता कौन?
अगर न होते फूल बताओ
खिल-खिल कर मुसकाता कौन?

अगर न होते बादल नभ में
इंद्रधनुष रच पाता कौन?
अगर न होते हम तो बोलो
ये सब प्रश्न उठाता कौन?

SCERT TELANGANA

कवि का नाम : बालस्वरूप राही

जीवन काल : जन्म - 1936

रचनाएँ : सूरज का रथ आदि

पुरस्कार : कई बाल साहित्य पुरस्कार।

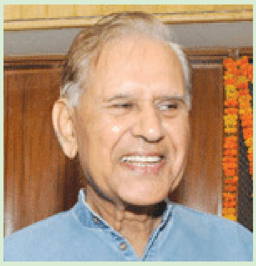

सुनो-बोलो

1. पाठ में दिये गये चित्रों के बारे में बातचीत कीजिए।
2. नदियों से हमें क्या लाभ हैं?

पढ़ो

(अ) कविता में आपको कौनसी पंक्तियाँ अच्छी लगीं? पढ़कर सुनाइए।

(आ) नीचे दिये गये शब्द कविता में ढूँढ़कर रेखांकित कीजिए-

चाँद	सूरज	नदियाँ	प्यास	पर्वत
हरियाली	फूल	बादल	नभ	इंद्रधनुष

लिखो

(अ) नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1. चाँद, सूरज, नदी में कुछ विशेष गुण हैं। हम सब में भी कई गुण हैं। जैसे: मेहनती, विनोदी, गंभीर आदि। इसी तरह अपने पाँच गुण लिखिए।
2. पेड़ों से हमें क्या लाभ हैं?

(आ) कविता का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

शब्द भंडार

(अ) जो भिन्न है उन्हें कोष्ठक में लिखिए।

(अ)	1.चाँद	2. सूरज	3. तारा	4. पेड़	( )
(आ)	1.पर्वत	2. झरना	3. नदी	4. तालाब	( )
(इ)	1.बादल	2. पशु	3. नभ	4. इंद्रधनुष	( )

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2020-21

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

(अ) कविता में चाँद, सूरज, नदी, पर्वत,झरना, पेड़, फूल, नभ, इंद्रधनुष आदि के बारे में उल्लेख हुआ है। अब आप किसान, अध्यापक, डॉक्टर, डाकिया आदि शब्द के द्वारा कविता आगे बढ़ाइए।

अगर न होते किसान,
बताओ फसल उगाता कौन?
अगर न होते अध्यापक,
बताओ ज्ञान फैलाता कौन?

....
....
....

प्रशंसा

हमारे जीवन में वृक्षों का क्या महत्व है?

परियोजना कार्य

इंद्रधनुष का चित्र बनाइए और उसके रंगों की जानकारी इकट्ठा करके पुस्तक में लिखिए।

भाषा की बात

नीचे दी गयी पंक्तियाँ पढ़िए।

अगर न होती निर्मल नदियाँ
जग की प्यास बुझाता कौन?
अगर न होते पर्वत, मीठे
झरने भला बहाता कौन?

ऊपर दी गयी कविता की पंक्तियों में रेखांकित शब्द नदियों और झरने की विशेषता बताने के लिए उपयोग में लाये गये हैं। ऐसे शब्दों को 'विशेषण' कहते हैं। अब नीचे दिये गये संज्ञा शब्दों के लिए उचित विशेषण शब्द सोचकर लिखिए।

1. ....सूरज, 2. ....चाँद, 3. ....फूल, 4. ....आसमान, 5. .... इंद्रधनुष

क्या मैं ये कर सकता/सकतीहूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. कविता गा सकता/सकती हूँ।		
2. कविता पढ़ सकता/सकती हूँ।		
3. कविता का भाव अपने शब्दों में बता सकता/सकती हूँ।		

SCERT TELANGANA

पठन हेतु

ऐसा प्यारा देश है मेरा

बच्चों की मुसकान लिये,
हर फूल जहाँ खिलता है।
जिसके आंगन में हर कोई,
हँसते हुए मिलता है।।

धर्म से बढ़कर मानवता का,
मान जहाँ पर होता है।
जिसके आँचल में हर कोई,
दुख भुलाकर सोता है।।

पर्वत नदियाँ, झील, बहारें,
कण-कण जहाँ लुटाते हैं।
जिसके चमन में हर कोई,
शांति संदेश फैलाते हैं।।

माटी-माटी सुगंध लुटाती है,
सोना जहाँ पर उगता है।
जिसकी छाया में हर कोई,
गीत खुशी के गाता है।।

ऐसा प्यारा देश है मेरा।
जग में भारत सबसे न्यारा।।

– राकेश ’तरंग’

SCERT TELANGANA

इकाई – II

5. धरती की आँखें

SCERT TELANGANA

प्रश्न :

1. चित्र में क्या-क्या दिखायी दे रहा है?
2. टिमटिमाना, चमकना जैसे शब्दों का संबंध किससे है?
3. इन्हें देखकर हम क्या सोचते हैं?

छात्रों के लिए सूचनाएँ :

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्रों के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. पाठ पढ़िए। नये शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

बहुत पुरानी बात है। एक राजा था। वह नित्य नये सपने देखता। उन्हें पूरा करने का प्रयास करता। दरबार के गुणी और बुद्धिमान लोगों को सपने सुनाता। उन्हें पूरा करने में उनकी सहायता लेता। सपने पूरा करने के लिए अपने खज़ाने का मुँह खोल देता। सफल होने पर उनको सम्मानित करता। असफलता पर निराश नहीं होता बल्कि उनका उत्साह बढ़ाता। कमियों को पूरा करके दोबारा प्रयत्न करने को प्रेरित करता।

राजा के व्यवहार से सभी खुश थे। वे राजा के लिए सब कुछ करने को तैयार रहते। इसी कारण राज्य दिन दूनी रात चौगुनी उन्नति कर रहा था। राजा के नाव समुद्र में हज़ारों मील दूर जाते। उसका यश फैलाते। नयी बस्तियाँ बसाते। व्यापार करते। इस प्रकार उस राजा का राज्य दूर-दूर तक फैल गया। किंतु इसके साथ-साथ राजा की कठिनाइयाँ भी बढ़ गयीं। कभी-

SCERT TELANGANA

कभी राजा का नाव या जहाज़ डूब जाता या हमले का शिकार हो जाता तो उसे तुरंत सूचना नहीं मिल पाती। इसी तरह यदि किसी क्षेत्र में कोई भयानक स्थिति पैदा हो जाती या कहीं कोई उत्सव आदि होता तो राजा न तो उसे देख पाता और न ही शीघ्र जान पाता। ऐसे में सहायता भेजने में भी विलंब होता।

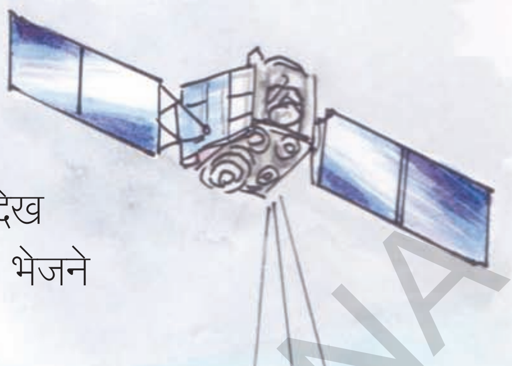

एक दिन राजा चाँदनी रात का आनंद ले रहा था। चाँद को देखकर वह सोचने लगा, काश मैं चाँद तक पहुँच पाता। तब मैं वहाँ बैठकर अपने पूरे राज्य को आसानी से देख लेता।

सोचते-सोचते राजा को नींद आ गयी। उसने एक विचित्र सपना देखा। राजा को लगा जैसे चाँद की दो आँखें हैं, मुँह है। चाँद अपनी बड़ी-बड़ी आँखों से इधर-उधर देख रहा है और कह रहा है, देखो, वह तुम्हारी नाव चली जा रही है। अरे! समुद्र में तूफान आने वाला है। चिंता मत करो। मैं अभी तुम्हारी नाव को सूचित करता हूँ कि वह अपना मार्ग बदल लें। अरे! तुम्हारे राज्य पर किसी ने हमला किया है, शीघ्र ही सहायता के लिए सेना भेजो। वह देखो, तुम्हारे राज्य के पूर्व में उत्सव मनाया जा रहा है। तरह-तरह के खेलों का आयोजन हो रहा है।

राजा ने सपने में ही चाँद को धन्यवाद दिया।

सुबह हुई। समय पर दरबार लगा। राजा ने

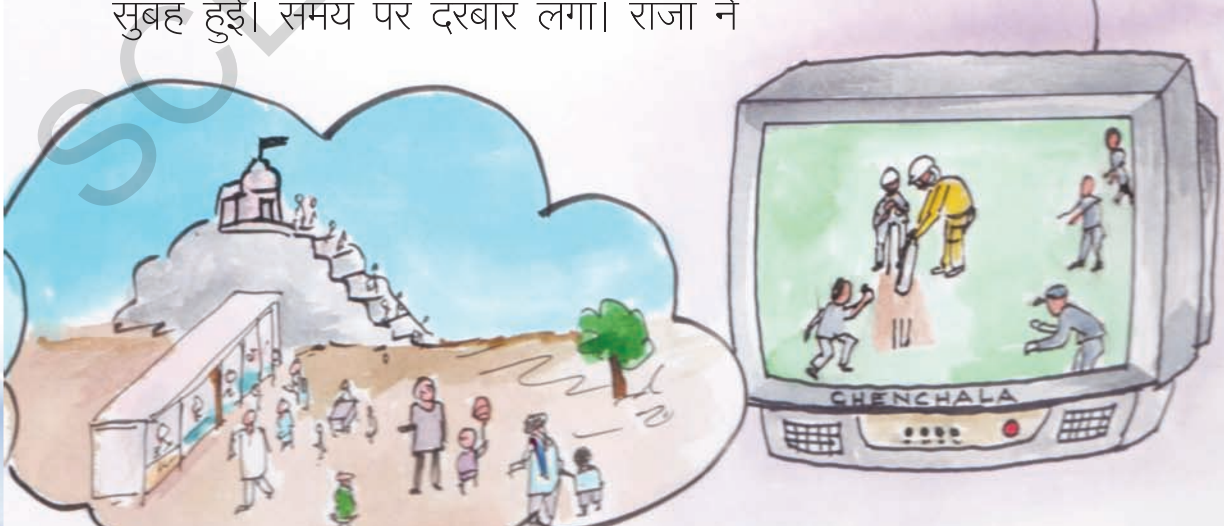

SCERT TELANGANA

अपना सपना सुनाया। फिर हँसते हुए कहा, सपना शायद सपना ही रहेगा। राजा की हँसी के पीछे छिपी निराशा और दर्द ने दरबारियों को विचलित कर दिया। एक वृद्ध दरबारी ने कहा, महाराज निराश न हो। आपका यह सपना अवश्य सच होगा।

फिर एक दिन न राजा रहा, न वृद्ध दरबारी। धीरे-धीरे समय बीतता गया। आखिर वह दिन आ ही गया जब राजा का सपना सचमुच सच हो गया। आज सैकड़ों कृत्रिम उपग्रह पृथ्वी की परिक्रमा कर रहे हैं। आज अकेला चाँद ही हमारी धरती की आँख नहीं है। अंतरिक्ष में सैकड़ों कृत्रिम उपग्रह चक्कर काट रहे हैं, जो कई नयी बातों की जानकारी हमें देते हैं।

कृत्रिम उपग्रह सचमुच धरती की चक्कर काटती आँखों के समान हैं। वे सब देख लेते हैं। समुद्र में उठते तूफ़ान, धरती पर होने वाले तरह-तरह के विस्फोट, यहाँ-वहाँ चलने वाले भयानक युद्ध। यही नहीं, वे मौसम को बहुत पहले पहचान लेते हैं और आने वाले खतरों से सावधान कर देते हैं। अंतरिक्ष तथा सौरमंडल के ग्रहों के बारे में जानकारी देते हैं जिनसे इन ग्रहों की यात्रा का मार्ग तैयार होता है। ये पलक झपकते संदेशों को, चित्रों को और टेलीविज़न कार्यक्रमों को हज़ारों मील दूर पहुँचाते हैं।

अब वे हमारे लिए शिक्षक का भी कार्य कर रहे हैं। ऐसे शिक्षक जो अंतरिक्ष में घूमते-घूमते हमारे किसानों और बच्चों को नयी-नयी बातें सिखा रहे हैं।

इन उपग्रहों की नज़र बड़ी तेज़ है। इनसे कोई बात छिपी नहीं रहती। इसलिए इनसे बढ़िया जासूस भला कौन हो सकता है।

ये सैकड़ों मील की ऊँचाई से चित्र खींचते हैं और शत्रु की सैनिक तैयारियों के बारे में जानकारी देते हैं।

काश! आज वह राजा होता तो अपना सपना सच होता देख कितना खुश होता।

SCERT TELANGANA

सुनो–बोलो

1. पाठ में दिये गये चित्रों के बारे में बातचीत कीजिए।
2. इस पाठ का नाम 'धरती की आँखें' क्यों रखा गया होगा?

पढ़ो

(अ) पाठ पढ़िए। कारण बताइए।

1. राजा के व्यवहार से सभी खुश थे, क्योंकि ....
2. उपग्रह सचमुच धरती की आँखें हैं, क्योंकि......................................

(आ) पाठ पढ़िए। 'इसलिए' शब्द का प्रयोग करते हुए वाक्य फिर से लिखिए।

जैसे – राजा के व्यवहार से सभी खुश थे।
वे राजा के लिए सब कुछ करने को तैयार थे।

राजा के व्यवहार से सभी खुश थे इसलिए वे राजा के लिए सब कुछ करने को तैयार थे।

1.चाँद ने राजा की सहायता की। राजा ने धन्यवाद दिया।
2. इन उपग्रहों की नज़र तेज़ है। इनसे कोई बात छिपी नहीं रहती।

लिखो

(अ) नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1. राजा की जगह यदि आप होते तो क्या करते?
2. सपनों को पूरा करने के लिए आप क्या करेंगे?

(आ) इस पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

शब्द भंडार

(अ) निम्न लिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए। वाक्य प्रयोग कीजिए।

1. प्रयास :
2. यश :
3. उत्सव :
4. चाँद :

SCERT TELANGANA

(आ) कृत्रिम उपग्रह हमारी सहायता करते हैं। वे हमें क्या-क्या सहायता करते हैं। बताइए।

जैसे -	मौसम	:	हमें मौसम की जानकारी देते हैं।
	सूचना	:	....
	खनिज	:	....
	समाचार	:	....

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

अपने सपने के बारे में कविता की रचना कीजिए ।

प्रशंसा

पाठ में बताया गया है कि अब उपग्रह शिक्षक का भी काम कर रहे हैं। वे शिक्षक के रूप में क्या-क्या काम कर सकते हैं, सोचकर लिखिए।

भाषा की बात

1. **वह** नित्य नये सपने देखता।
2. आपका **यह** सपना अवश्य सच होगा।
3. **वे** सब देख लेते हैं।

ऊपर दिये गये वाक्यों में वह, यह, वे शब्द संज्ञा अथवा नाम के स्थान पर आये हैं। व्याकरण की दृष्टि से ऐसे शब्द **सर्वनाम** कहलाते हैं। मैं, हम, तू, तुम, आप, यह, वह, जो, कोई, कुछ, कौन, क्या आदि शब्द भी सर्वनाम के उदाहरण हैं।

सर्वनाम के छह भेद हैं। वे हैं -

1. पुरुषवाचक सर्वनाम	:	इस सर्वनाम के तीन भेद हैं- (अ) उत्तम पुरुष - यानी बोलने वाला जैसेः मैं, हम (आ) मध्यम पुरुष - यानी सुनने वाला जैसेः तू, तुम, आप (इ) अन्य पुरुष - यानी सुनने या बोलने वाले द्वारा अन्यों के लिए उपयोग में लाये जाने वाले शब्द जैसेः आम मीठा फल है। यह गर्मी के मौसम में मिलता है।
2. निश्चयवाचक सर्वनाम	:	जो सर्वनाम शब्द किसी निश्चित व्यक्ति अथवा वस्तु की ओर निश्चयपूर्वक संकेत करते हैं, वे निश्चयवाचक सर्वनाम कहलाते हैं। जैसेः यह पुस्तक मेरी है।

SCERT TELANGANA

3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम : जो सर्वनाम शब्द किसी निश्चित व्यक्ति अथवा वस्तु की ओर संकेत नहीं करते हैं, वे अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहलाते हैं। जैसेः आप कुछ खाइए।

4. संबंधवाचक सर्वनाम : जिस सर्वनाम शब्द से अगले या पिछले उपवाक्य के संज्ञा अथवा सर्वनाम का बोध होता है, उसे संबंधवाचक सर्वनाम कहते हैं। जैसेः जो करे सेवा, सो पावै मेवा।

5. प्रश्नवाचक सर्वनाम : जो सर्वनाम शब्द प्रश्न पूछने के लिए किया जाता है, वे प्रश्नवाचक सर्वनाम कहलाते हैं। जैसेः तुम्हारा नाम क्या है?

6. निजवाचक सर्वनाम : जो सर्वनाम शब्द अपनेपन का बोध कराते हैं, वे निजवाचक सर्वनाम कहलाते हैं। रामू अपने गाँव जाता है।

अब नीचे दिये गये अनुच्छेद में से तीन सर्वनाम शब्द ढूँढ़िए। उन शब्दों का वाक्य में प्रयोग कीजिए।

ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जी को जवाहरलाल नेहरु की तरह ही बच्चों से काफी लगाव था। वे जहाँ भी जाते थे, बच्चों से अवश्य मिलते थे। उन्हें स्वप्न देखने और उसे पूरा करने का संदेश देते थे। एक दिन कलाम जी किसी सभा को संबोधित कर बाहर निकल रहे थे, तब उनकी दृष्टि एक छोटी-सी मासूम लड़की पर पड़ी, जो उनके हस्ताक्षर लेना चाहती थी। जब कलाम ने उस लड़की से पूछा, ''बेटी! तुम्हारा नाम क्या है? और तुम क्या चाहती हो?'' तब उस लड़की ने अपना नाम बताते हुए कहा, ''मैं विकसित भारत में रहना चाहती हूँ।'' लड़की के इस उत्तर से वे अत्यधिक प्रभावित हुए और 'विज़न - 2020' नामक पुस्तक में भारत को एक विकसित देश बनाने के लिए उन्होंने अनेक सुझाव दिये।

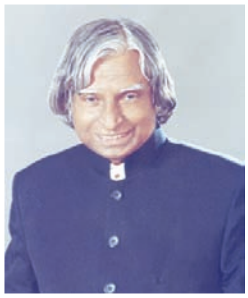

परियोजना कार्य

कृत्रिम उपग्रहों के बारे में जानकारी इकट्ठा कीजिए।

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. पाठ के बारे में बातचीत कर सकता/सकती हूँ।		
2. इस तरह के पाठ पढ़कर समझ सकता/सकती हूँ।		
3. पाठ के शब्दों से वाक्य बना सकता/सकती हूँ।		

SCERT TELANGANA

इकाई – II

6. दिल्ली से पत्र

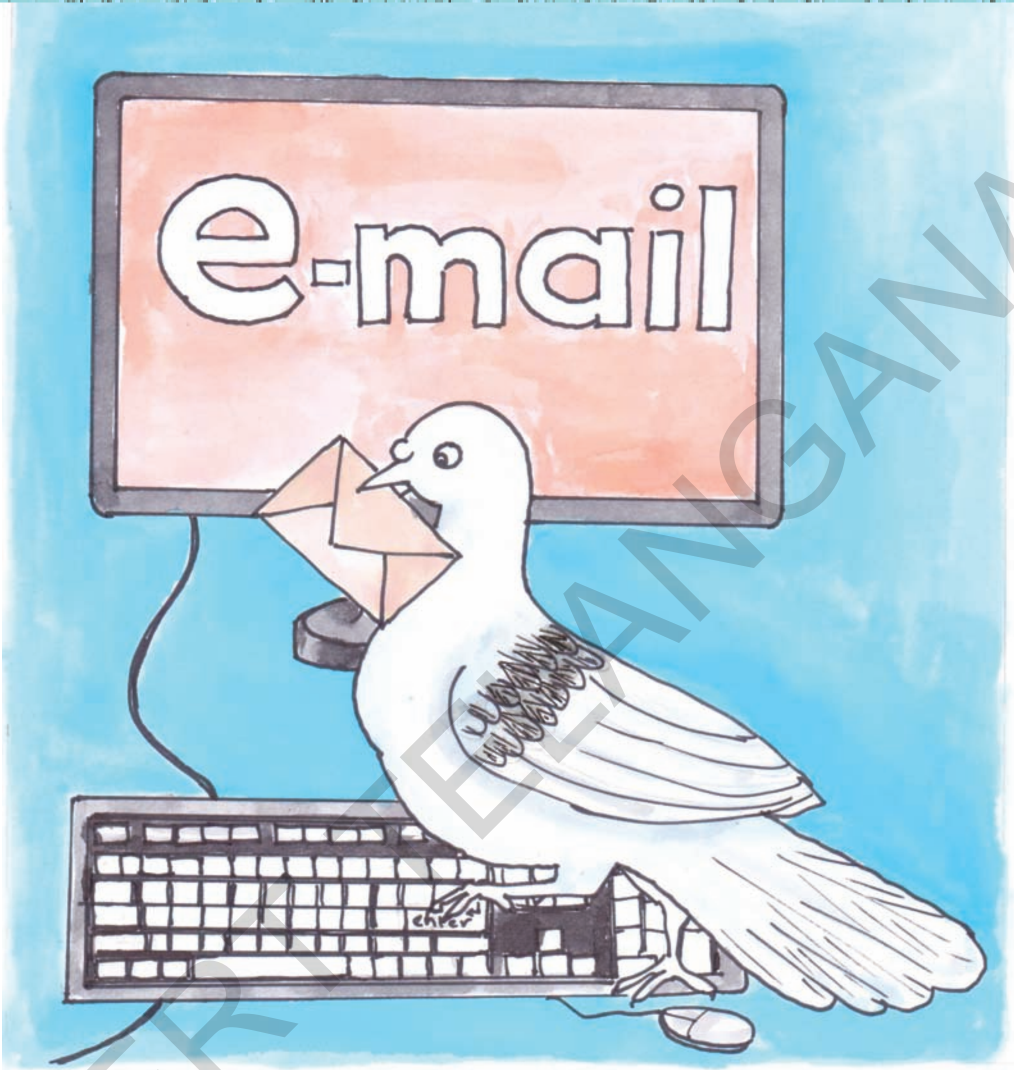

प्रश्न :

1. चित्र में क्या-क्या दिखायी दे रहा है?
2. कबूतर क्या कर रहा है?
3. इस चित्र से हमें क्या मालूम होता है?

छात्रों के लिए सूचनाएँ :

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्रों के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. पाठ पढ़िए। नये शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2020-21

सेक्टर 9 ए, नई दिल्ली,

दिनांक : 10.5.2015

पूज्य पिताजी,

सादर प्रणाम!

हम परसों सकुशल दिल्ली पहुँच गये। हमारी यात्रा बहुत अच्छी रही। अध्यापकों ने हमारा बहुत ध्यान रखा। यहाँ मौसम अच्छा है। कल सुबह नाश्ता करके हम सब लोग दिल्ली की सैर के लिए निकले। सबसे पहले हमने कुतुब मीनार देखा। यह बहुत पुरानी इमारत

है। इसे देखकर तो मैं दंग रह गया। बहुत ऊँची मीनार है। अध्यापकजी ने हमें बताया कि गुलाम वंश के प्रथम सुल्तान कुतुबुद्दीन ऐबक ने इसे बनवाया था। इसकी ऊँचाई 280 फुट के करीब है। इसके ऊपर पहुँचने के लिए 379 सीढ़ियाँ हैं। इसके ऊपर चढ़ने पर चारों ओर का दृश्य बहुत सुंदर दिखायी देता है। वहाँ से हम लाल क़िला पहुँचे। मेरे आश्चर्य का ठिकाना न था। मैंने तो केवल इसे 26 जनवरी और 15 अगस्त के दिन ही टी.वी. पर देखा था। लाल क़िला तो लाल क़िला है। जैसा नाम वैसा क़िला। यह लाल पत्थर का बना हुआ है। यह एक मज़बूत और सुंदर क़िला है। मुगल बादशाह शाहजहाँ ने इसे बनवाया था। यहाँ पर एक स्थान है- 'दीवान-ए-ख़ास'। इसकी दीवार पर फारसी की पंक्तियाँ लिखी हैं, जिसका अर्थ है-यदि संसार में पृथ्वी पर कहीं स्वर्ग है,तो वह यहीं है, यहीं है, यहीं है। इसी क़िले के पास जामा मसजिद है। यह भारत की सबसे बड़ी मसजिद है। इसे भी कलाप्रेमी शाहजहाँ ने बनवाया था। यहाँ पर हज़ारों की संख्या में मुसलमान भाई नमाज़ पढ़ते हैं। पुराने भवनों में जंतर-मंतर भी देखने लायक़ है। इसे जयपुर के नरेश मिर्ज़ा राजा जयसिंह ने बनवाया था। इसमें धूप घड़ी है।

SCERT TELANGANA

सूर्य की किरणों के आधार पर यह यंत्र आपको सही-सही समय बता देता है। हज़रत निज़ामुद्दीन की दरगाह भी दर्शनीय स्थान है।

दिल्ली के आधुनिक भवनों में राष्ट्रपति भवन तथा संसद भवन उल्लेखनीय हैं। यहाँ का इंडिया गेट, अक्षरधाम मंदिर, लोटस टेंपल, संग्रहालय तथा चिड़ियाघर भी देखने योग्य हैं। यहाँ राजघाट पर हमने बापू की समाधि भी देखी। अध्यापकजी ने बताया कि यमुना नदी की गोद में बसा यह शहर भारत की राजधानी ही नहीं बल्कि दुनिया के प्रसिद्ध नगरों में से एक है। यह नगर किसी का भी मन मोह लेता है। रात को हमने दिल्ली का विशेष व्यंजन छोले-भटूरे खाया। मुझे तो यहाँ बहुत मज़ा आया। मैं परसों घर लौटूँगा।

माता जी को मेरा प्रणाम और बहन जेनी को बहुत प्यार।

आपका पुत्र

सनी

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2020-21

सुनो-बोलो

1. पाठ के चित्र देखिए। किसी एक के बार में बताइए।
2. यह पत्र किसके बारे में हैं?

पढ़ो

(अ) पाठ का दूसरा अनुच्छेद पढ़िए। दिल्ली के किस स्थान के बारे में बताया गया है? उसके बारे में दो वाक्य लिखिए।

(आ) पाठ के आधार पर नीचे दिये गये वाक्य के अगले वाक्य लिखिए।

जैसे - यह बहुत पुरानी इमारत है।	इसे देखकर मैं दंग रह गया।
1. यह एक मज़बूत और सुंदर किला है।	....
2. इसमें धूपघड़ी है।	....
3. यदि संसार पर कहीं स्वर्ग है,	....
4. इसकी ऊँचाई 280 फुट के करीब है।	....
5. मेरे आश्चर्य का ठिकाना न था।	....

लिखो

(अ) नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1. सनी ने पत्र क्यों लिखा होगा?
2. दिल्ली में देखने लायक कौनसा स्थान अच्छा लगा और क्यों?

(आ) इस पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

शब्द भंडार

निम्न लिखित शब्दों को वाक्यों में प्रयोग कीजिए। कुतुब मीनार, जामा मसजिद, जंतर-मंतर

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

आपके द्वारा की गयी किसी यात्रा की बात डायरी में लिखिए।

प्रशंसा

सैर से मनोरंजन के साथ-साथ और क्या लाभ हैं? बताइए।

भाषा की बात

(अ) नीचे दिये गये वाक्य पढ़िए।

दिल्ली में मौसम **अच्छा** है।

SCERT TELANGANA

कुतुब मीनार **पुरानी** इमारत है।
लाल क़िला **लाल** पत्थर का बना हुआ है।
यह **एक मज़बूत** और **सुंदर** क़िला है।

ऊपर दिये वाक्यों में अच्छा, पुरानी, लाल, एक, मज़बूत और सुंदर जैसे शब्द संज्ञा और सर्वनाम की विशेषता बताते हैं। संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बतलाने वाले शब्द **विशेषण** कहलाते हैं। विशेषण के चार भेद हैं। वे हैं-

1. गुणवाचक विशेषण	:	जो विशेषण किसी संज्ञा या सर्वनाम के गुण, दोष, दशा, रंग, आकार, स्थिति आदि का बोध कराते हैं, गुणवाचक विशेषण कहलाते हैं। जैसेः रामू **अच्छा** लड़का है।
2. संख्यावाचक विशेषण	:	जो विशेषण वस्तु की संख्या बतायें, वे संख्यावाचक विशेषण कहलाते हैं। जैसेः मैदान में **तीन** लड़के हैं।
3. परिमाणवाचक विशेषण	:	जो विशेषण संज्ञा या सर्वनाम के परिमाण का बोध कराते हैं, उन्हें परिमाणवाचक विशेषण कहते हैं। हम **बहुत** मेहनत करते हैं।
4. सार्वनामिक विशेषण	:	जो विशेषण सर्वनाम के रूप में रहकर संज्ञा को सूचित करते हैं, वे सार्वनामिक विशेषण कहलाते हैं। जैसेः हैदराबाद **हमारा** शहर है।

(आ) पाठ में आये हुए तीन विशेषण शब्द ढूँढ़िए। वाक्य में प्रयोग कीजिए।

जैसेः पुरानी - यह बहुत **पुरानी** इमारत है ।

1. ....
2. ....
3. ....

परियोजना कार्य

अपने मनपसंद स्थान के चित्र इकट्ठा कीजिए। उसके बारे में दो-दो वाक्य लिखिए।

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. पाठ के बारे में बातचीत कर सकता/सकती हूँ।		
2. इस तरह के पाठ पढ़कर समझ सकता/सकती हूँ।		
3. पाठ के शब्दों से वाक्य बना सकता/सकती हूँ।		

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2020-21

SCERT TELANGANA

इकाई - III

7. त्यौहारों का देश

प्रश्न :

1. चित्र में क्या-क्या दिखायी दे रहा है?
2. वे एक-दूसरे से क्या कह रहे होंगे?
3. त्यौहारों का हमारे जीवन में क्या महत्व है?

छात्रों के लिए सूचनाएँ :

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्रों के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. पाठ पढ़िए। नये शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

SCERT TELANGANA

मन भावन सावन आते ही,
हरियाली छा जाती है।
राखी के दिन बहिन खुशी से,
फूली नहीं समाती है।

आज़ादी के दिवस तिरंगा,
घर-घर पर लहराता है।
वीर शहीदों की गाथाएँ,
हमको याद दिलाता है।

आता हर वर्ष दशहरा,
होते खेल तमाशे।
दीपावली पर दीप-दान,
फुलझड़ियाँ खील बताशे।

भाईचारे का संदेशा,
ले ईद मुबारक आती।
मीठी-मीठी खीर, सिवैयाँ,
सबके मन को भातीं।

खेल-खिलौने पाते बच्चे,
क्रिसमस के उपहार।
त्यौहारों का देश हमारा,
हमको इससे प्यार।।

SCERT TELANGANA

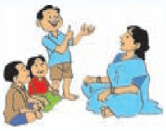

सुनो–बोलो

1. पाठ में दिये गये चित्रों के बारे में बातचीत कीजिए।
2. कविता का शीर्षक आपको कैसा लगा और क्यों?

पढ़ो

(अ) नीचे दिये गये वाक्यों के भाव बतलाने वाले अंश कविता में पहचानकर उत्तर–पुस्तिका में लिखिए।

1. तिरंगा झंडा वीर शहीदों की याद दिलाता है।
2. ईद के त्यौहार में भाईचारे का संदेश होता है।

(आ) नीचे दी गयी पंक्तियाँ पढ़िए।

भारत एक बगीचे के समान है। यहाँ का हर नागरिक मुस्कुराता हुआ फूल है। जिस तरह फूलों से भीनी-भीनी सुगंध आती है, उसी तरह हर नागरिक के योगदान से यह बगीचा सुगंधित हो उठता है। यहाँ सभी धर्मों के लोग मिलजुलकर रहते हैं। एक-दूसरे के सुख-दुख में भाग लेते हैं। भारतीय संविधान के कर्णधार डॉ. अंबेड्कर जी का विश्वास था, 'जात-पाँत रहित सम-समाज से ही देश में सुख और शांति की स्थापना हो सकती है।' उनके इसी विश्वास का साकार रूप भारतीय त्यौहार हैं। इन त्यौहारों से भारतीय संस्कृति की गरिमा विश्व का मन मोह लेती है।

अब इन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. भारत किसके समान है?
2. डॉ. अंबेड्कर जी ने क्या कहा था?
3. भारतीय त्यौहारों की क्या विशेषता है?

लिखो

(अ) नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1. किसी धार्मिक त्यौहार के बारे में लिखिए।
2. 15 अगस्त के बारे में तुम क्या जानते हो?

(आ) इस कविता का सारांश दस पंक्तियों में लिखिए।

SCERT TELANGANA

शब्द भंडार

(अ) नीचे दिये गये त्यौहारों के नामों से वाक्य बनाइए।

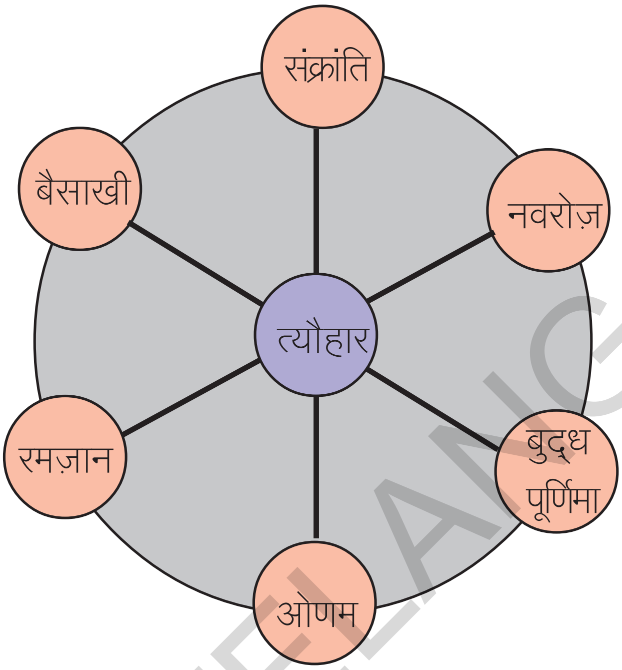

(आ) हिंदी महीनों के नाम जानें।

1. चैत्र	2. बैशाख	3. ज्येष्ठ	4. आषाढ़
5. श्रावण	6. भाद्रपद	7. अश्विन	8. कार्तिक
9. मार्गशीर्ष	10. पौष	11. माघ	12. फाल्गुन

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

(अ) पाठ में कुछ त्यौहारों के नाम आये हैं, जैसे- रक्षाबंधन, स्वतंत्रता दिवस, दशहरा, दीपावली, ईद क्रिसमस आदि। अब आप अपने मनपसंद त्यौहार का चित्र बनाइए। उसके बारे में पाँच वाक्य लिखिए।

प्रशंसा

(अ) त्योहारों के महत्व और उपयोगिता के बारे में लिखिए।

SCERT TELANGANA

भाषा की बात

(अ) नीचे दिया गया अनुच्छेद पढ़िए।

अध्यापकजी ने बताया कि यमुना नदी की गोद में बसा यह शहर भारत की राजधानी ही नहीं बल्कि दुनिया के प्रसिद्ध नगरों में से एक **है**। यह नगर किसी का भी मन मोह लेता है।

रात को हमने दिल्ली का विशेष व्यंजन छोले-भटूरे **खाया**। मुझे तो यहाँ बहुत मज़ा आया। मैं परसों घर **लौटूँगा**।

इस अनुच्छेद में है, खाया, लौटूँगा क्रिया शब्द काम के होने का समय बताते हैं। इसे ही काल कहते हैं।

काल के भेद इस प्रकार हैं -

भूतकाल - क्रिया जो संपन्न हो चुकी है।
वर्तमान काल - क्रिया जो संपन्न हो रही है।
भविष्य काल - क्रिया जो संपन्न होने वाली है।

(आ) पाठ में से इन कालों को बताने वाले शब्द ढूँढ़कर लिखिए।

परियोजना कार्य

(अ) तुम्हारे मित्र कौन-कौन-से त्योहार मनाते हैं, पता कीजिए, तालिका बनाइए।

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. कविता गा सकता/सकती हूँ।		
2. इस तरह की कविताएँ पढ़कर समझ सकता/सकती हूँ।		
3. कविता के शब्दों से वाक्य बना सकता/सकती हूँ।		

विचार-विमर्श

धर्म हमें उत्तम व्यवहार करना सिखाते हैं। हमारे स्वभाव व व्यवहार में हमारे गुण दिखायी देते हैं। आप अपने सहपाठियों में कौन से गुण देखकर दोस्ती करते हैं?

SCERT TELANGANA

इकाई – III

8. चावल के दाने

प्रश्न :

1. चित्र में क्या-क्या दिखायी दे रहा है?
2. कौन क्या कर रहा है?
3. किसान के सिर पर बोझा देखकर तुम्हें क्या लगता है?

छात्रों के लिए सूचनाएँ :

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्रों के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. पाठ पढ़िए। नये शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2020-21

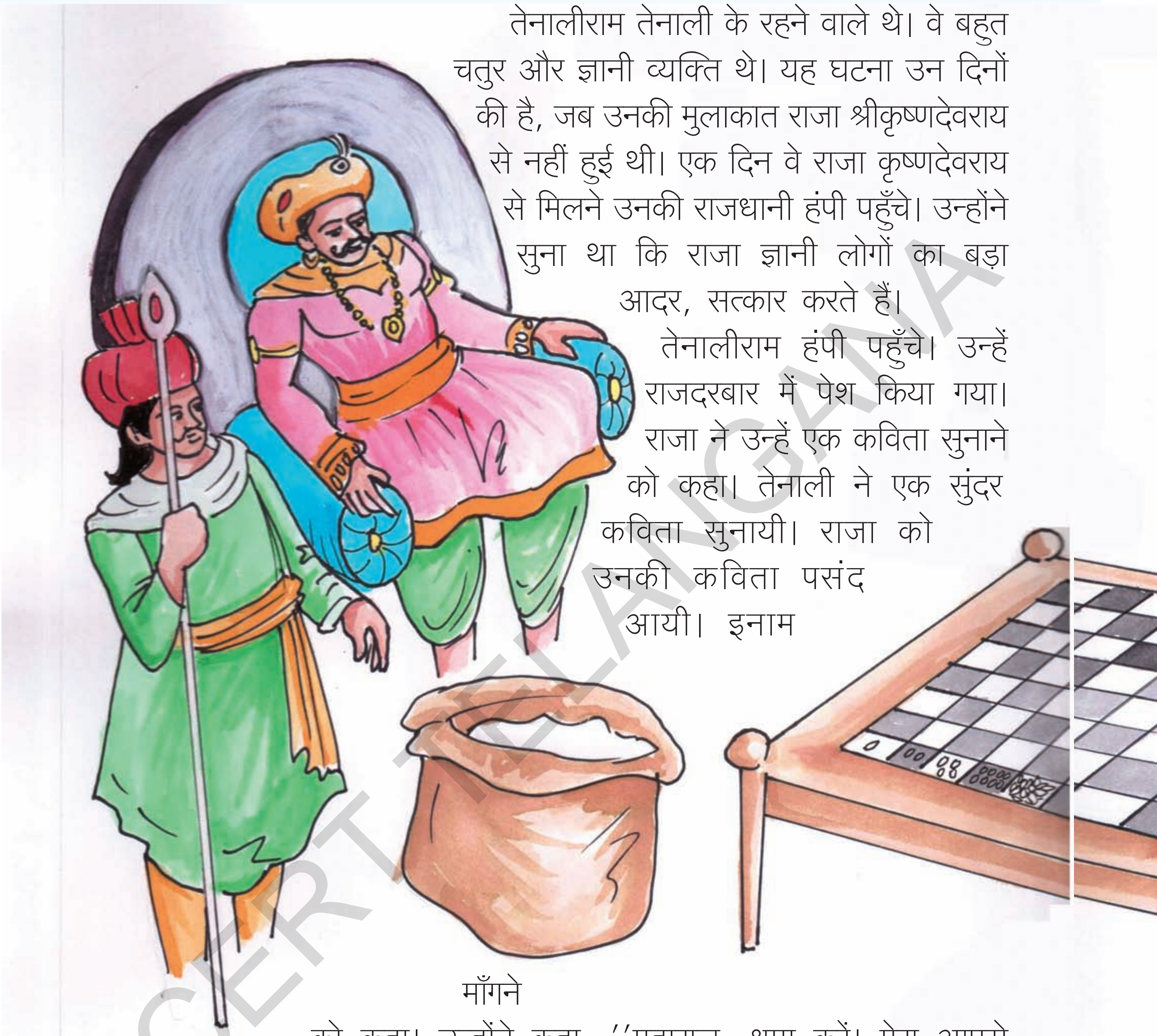

तेनालीराम तेनाली के रहने वाले थे। वे बहुत चतुर और ज्ञानी व्यक्ति थे। यह घटना उन दिनों की है, जब उनकी मुलाकात राजा श्रीकृष्णदेवराय से नहीं हुई थी। एक दिन वे राजा कृष्णदेवराय से मिलने उनकी राजधानी हंपी पहुँचे। उन्होंने सुना था कि राजा ज्ञानी लोगों का बड़ा आदर, सत्कार करते हैं।

तेनालीराम हंपी पहुँचे। उन्हें राजदरबार में पेश किया गया। राजा ने उन्हें एक कविता सुनाने को कहा। तेनाली ने एक सुंदर कविता सुनायी। राजा को उनकी कविता पसंद आयी। इनाम माँगने को कहा। उन्होंने कहा, ''महाराज, क्षमा करें। मेरा आपसे केवल एक निवेदन है।''

राजा - ''कहो, क्या निवेदन है?''

तेनालीराम राजा के सामने रखे शतरंज की बिसात की ओर इशारा करते हुए कहा - ''महाराज! यदि आप चावल का एक दाना उस शतरंज के पहले खाने में रख दें और हर अगले खाने में पिछले खाने का दुगना रखते जायें, तो मैं उसे ही अपना इनाम समझूँगा।''

SCERT TELANGANA

''क्या तुम्हें यकीन है कि तुम्हें यही चाहिए?, सिर्फ़ चावल के दाने चाहिए, सोना नहीं।''- महाराज ने आश्चर्य से पूछा।

''हाँ, महाराज!''-तेनालीराम ने विनम्रता से कहा।

''तो ऐसा ही होगा।''- महाराज ने सेवक को आदेश दिया। सेवकों ने शतरंज की बिसात पर चावल के दाने रखने शुरु कर दिये। पहले खाने में एक दाना, दूसरे में 2 दाने, तीसरे में 4 दाने, चौथे में 8 दाने, पाँचवें में 16 दाने, इस तरह गिनती बढ़ती गयी। दसवें खाने तक पहुँचने पर 512 दाने ऱखे गये और बीसवें खाने तक पहुँचने पर 5,24,288 दाने रखे गये। इस प्रकार शतरंज की आधी बिसात यानी 32 खाने तक पहुँचने तक दानों की संख्या 214 करोड़ से भी ज्यादा तक पहुँच चुकी थी।

यह दृश्य देखकर राजदरबार में सभी हैरान थे। अंत में यह स्थिति हो गयी कि महाराज के पास अपना पूरा राजभंडार का अनाज ही तेनालीराम के हवाले करने के सिवाय कोई दूसरा मार्ग न रहा।

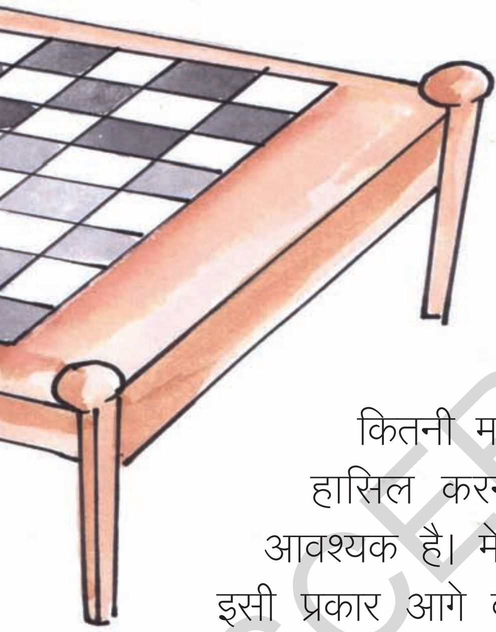

तभी तेनाली ने उन्हें रोका और कहा - ''महाराज! मैं आपसे कुछ नहीं चाहता। मैं तो सिर्फ़ आपको दिखाना चाहता था कि छोटी-छोटी चीज़ें भी कितनी महत्वपूर्ण होती हैं। एक महान विजय हासिल करने के लिए पहले कदम उठाना आवश्यक है। मेरी हार्दिक कामना है कि आप इसी प्रकार आगे बढ़ते हुए और अधिक विजय प्राप्त करें।''

यह सुनकर राजा श्रीकृष्णदेवराय तेनालीराम से बहुत खुश हुए, जिसने उन्हें चावल के एक दाने से जीवन का महत्व समझा दिया था। उन्होंने तुरंत तेनाली को सम्मान के साथ अष्टदिग्गजों में शामिल कर लिया।

SCERT TELANGANA

सुनो-बोलो

1. पाठ में दिये गये चित्रों के बारे में बातचीत कीजिए।
2. कहानी का शीर्षक आपको कैसा लगा और क्यों?

पढ़ो

(अ) नीचे दिये गये वाक्यों की गलतियाँ पहचानिए। शुद्ध वाक्य अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए।

1. एक दिन वे राजा अकबर से मिलने उनकी राजधानी हंपी पहुँचे।
2. पहले खाने में 8 दाने रखे गये।

(आ) पाठ के आधार पर नीचे दी गयी पंक्तियाँ सही क्रम में लिखिए।

1. तेनालीराम हंपी पहुँचे।
2. उन्होंने तुरंत तेनाली को सम्मान के साथ अष्टदिग्गजों में शामिल कर लिया।
3. ''हाँ, महाराज!''-तेनालीराम ने विनम्रता से कहा।

लिखो

(अ) नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1. तेनालीराम के व्यक्तित्व के बारे में लिखिए।
2. तेनालीराम की जगह यदि आप होते तो इनाम के रूप में क्या माँगते?

(आ) 'चावल के दाने ' पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

शब्द भंडार

(अ) नीचे दिये गये संख्या-शब्द पढ़िए। समझिए गलत संख्या शब्द पर गोला लगाइए और सही शब्द लिखिए।

21 -इक्कीस	22 -बाईस	23-तेईस	24-चौबीस	25 -पंद्रह
26 -छब्बीस	27 -सत्ताईस	28-अठारह	29-उनतीस	30 -तीस
31 -इकतीस	32 -बाईस	33-तैंतीस	34-चौंतीस	35 -पैंतीस
36 -सोलह	37 -सैंतीस	38-अड़तीस	39-उनतालीस	40 -चालीस
41 -इकतालीस	42 -बयालीस	43-तैंतालीस	44-चौदह	45-पैंतालीस
46 -छयालीस	47 -सत्रह	48-अड़तालीस	49-उनचास	50 -पचास

SCERT TELANGANA

(आ) इन्हें भी समझिए।

100 = एक सौ	1000 = एक हज़ार	10000 = दस हज़ार
100000 = एक लाख	1000000 = दस लाख	10000000 = एक करोड़

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

(अ) नीचे दिये गये वार्तालाप को आगे बढ़ाइए।

तेनालीराम - महाराज! प्रणाम।

तेनालीराम - ....

श्रीकृष्णदेवराय - ....

श्रीकृष्णदेवराय - प्रणाम! बताओ, तुम कौन हो?

तेनालीराम - ....

श्रीकृष्णदेवराय - ....

प्रशंसा

(अ) तेनालीराम की बुद्धिमत्ता के बारे में बताइए।

परियोजना कार्य

(अ) अपनी पाठशाला के पुस्तकालय से तेनालीराम की एक और कहानी पढ़िए और उसका भाव सुनाइए।

भाषा की बात

(अ) नीचे दिया गया अनुच्छेद पढ़िए।

तेनालीराम तेनाली के रहने वाले थे। वे बहुत चतुर और ज्ञानी व्यक्ति थे। यह घटना उन दिनों की है, जब उनकी मुलाक़ात राजा श्रीकृष्णदेवराय से नहीं हुई थी। एक

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2020-21

दिन वे राजा कृष्णदेवराय से मिलने उनकी राजधानी हंपी पहुँचे। उन्होंने सुना था कि राजा ज्ञानी लोगों का बड़ा आदर सत्कार करते हैं।

ऊपर दिये गये अनुच्छेद से संज्ञा, सर्वनाम और विशेषण शब्द ढूँढ़िए।

(आ) ऊपर दिये गये अनुच्छेद से ढूँढ़कर संज्ञा, सर्वनाम और विशेषण शब्दों को वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. पाठ के बारे में बातचीत कर सकता/सकती हूँ।		
2. इस तरह के पाठ पढ़कर समझ सकता/सकती हूँ।		
3. पाठ के शब्दों से वाक्य बना सकता/सकती हूँ।		

विचार–विमर्श

कई बार लोग हमें देखकर हमारे शरीर/चेहरे/रंग-रूप का मज़ाक बनाते हैं। किसी तरह से हम नीचा दिखाने की कोशिश करते हैं। जो ऐसा करते हैं, वे अपना स्वभाव और चरित्र हमें दिखा रहे हैं उनकी बातों को अनसुनी करना ही अच्छा है।

हम अपने शरीर की रचना नहीं करते। यह प्रकृति की देन है। हमें रंग-रूप/देह पर शर्म/गर्व नहीं करना चाहिए। बल्कि अपने व्यवहार पर करना चाहिए।

हमें लोगों का सम्मान उनके व्यवहार/बुद्धिमत्ता के आधार पर करना चाहिए। न कि उनके रंग-रूप, सामाजिक या आर्थिक स्तर को देखकर।

जो व्यक्ति अनुचित काम करता है। अपने फायदे के लिए औरों को नुकसान पहुँचाता है, कानून को तोड़ता है, उसे अपने व्यवहार पर लज्जा आनी चाहिए; न कि उस व्यक्ति/बच्चे को, जिस पर अत्याचार किया गया हो।

SCERT TELANGANA

इकाई - III

9. मैं सिनेमा हूँ...

प्रश्न :

1. चित्र में क्या-क्या दिखायी दे रहा है?
2. वे क्या-क्या कर रहे हैं?
3. नाटक में क्या बताया जा रहा होगा?

छात्रों के लिए सूचनाएँ :

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्रों के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. पाठ पढ़िए। नये शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2020-21

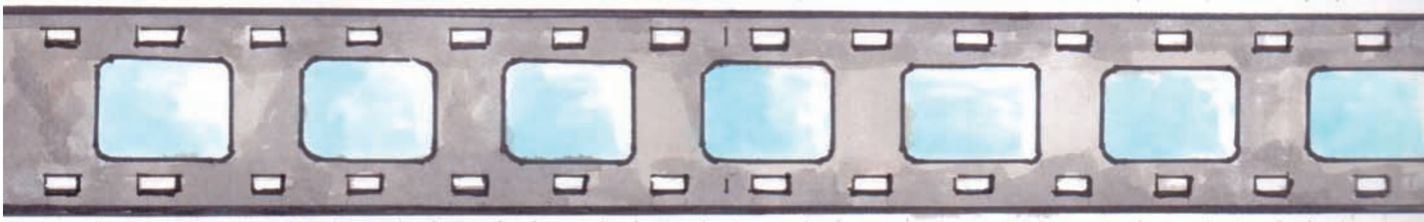

प्यारे बच्चो!
नमस्ते। कैसे हो?
मुझे नहीं पहचाना? कोई बात नहीं।

''प्रोजेक्टर से मैं चलता हूँ।
परदे पर मैं दिखता हूँ।
मनोरंजन सब का करता हूँ।
जल्दी बताओ कौन हूँ मैं?''

शाबाश! तुम ने सही बताया। मैं सिनेमा हूँ। तुम सभी को मुझे देखना अच्छा लगता है न! मुझे भी तुम से मुलाकात करना अच्छा लगता है। छुट्टी के समय में मुझे देखने के लिए उत्सुक रहते हो न! मुझे भी तुम्हें आनंदित करना अच्छा लगता है।

मेरा जन्म विदेश में हुआ। किंतु भारत में मुझे लाने का श्रेय मेरे पितामह दादा साहेब फाल्के को जाता है। सन् 1913 में उन्होंने राजा हरिश्चंद्र के नाम से मुझे आपके सामने लाया। देश-विदेश के समाचार पत्रों में मेरे लाड़ले दादा साहेब फाल्के की खूब प्रशंसा की गयी। मेरी

SCERT TELANGANA

खुशी का ठिकाना न रहा। उन्होंने मेरा भविष्य उज्ज्वल कर दिया।

मेरी कितनी भी प्रशंसा क्यों न करें, किंतु मेरा निर्माता तो मनुष्य ही है। उसी ने मुझे निर्जीव से सजीव बनाया। कभी मैं मूक था, तो उसने बोलने की क्षमता भर दी। रंग भर दिये। मेरे जीवन में बसंत भर दिया।

मुझ में सभी भाव देखने को मिलते हैं- मुझ में हास्य है तो दुख भी है। मुझ में कल्पना है, तो प्रेरणा भी है। किंतु मुझे बनाने में कई लोगों का योगदान होता है।

कहानीकार एक अच्छी कहानी लिखता है। निर्माता उस कहानी को खरीदता है। निर्माता मुझे बनाने से लेकर सिनेमाघरों तक पहुँचाने वाला महत्वपूर्ण व्यक्ति है।

निर्माता अपने इस काम को पूरा करवाने के लिए निर्देशक की सहायता लेता है। वास्तव में मेरा केंद्र बिंदु तो निर्देशक ही है। वह मेरे निर्माण से जुड़े

SCERT TELANGANA

सभी लोगों, जैसे नायक-नायिका, पात्र, संगीत निर्देशक, कथाकार, संवाद लेखक, कैमरामेन आदि को एक सूत्र में बाँध कर मुझे साकार रूप देता है। मुझे बनाने में हज़ारों लोगों की मेहनत जुड़ी होती है। मुझ से उनकी जीविका चलती है। उनकी मेहनत पर ही मेरा भविष्य निर्भर करता है।

बच्चो! मेरी एक ही इच्छा है। वह है - सबको खुश देखना। दुनिया में अच्छाई और बुराई दोनों भी हैं। उसी तरह मेरे अच्छे और बुरे दोनों रूप हैं। मेरा निवेदन है कि मेरी अच्छाई को स्वीकार करो। मुझे सिनेमाघरों में ही देखो। आजकल कुछ लोग मेरा पाइरेटेड (चोरी की हुई फिल्म) रूप दिखा रहे हैं। मुझे इस तरह से बिलकुल न देखो। इस तरह देखना या दिखाना दोनों क़ानूनन अपराध है। इसलिए पाइरेसी (चोरी की हुई) सी.डी. न तो खरीदो और ना ही बेचो।

बच्चो! तुम मुझे उतना ही देखो जितने से तुम्हें आनंद मिले। आशा करता हूँ कि तुम मेरी बात अवश्य मानोगे।

SCERT TELANGANA

सुनो-बोलो

1. चित्र के बारे में बातचीत कीजिए।
2. सिनेमा देखना आपको कैसा लगता है? क्यों?

पढ़ो

(अ) पाठ में आये अंग्रेज़ी शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए। वाक्य में प्रयोग कीजिए।

जैसे : प्रोजेक्टर = प्रक्षेपक। प्रक्षेपक की सहायता से परदे पर सिनेमा दिखायी देता है।

(आ) राजा हरिश्चंद्र भारत की पहली मूक फिल्म थी। उसी तरह पहली बोलती फिल्म थी- 'आलम आरा।' अब नीचे दिखाये गये पोस्टर के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

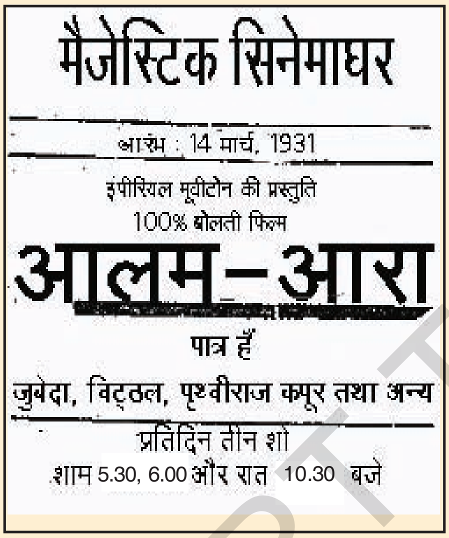

मैजेस्टिक सिनेमाघर

आरंभ : 14 मार्च, 1931

इंपीरियल मूवीटोन की प्रस्तुति

100% बोलती फिल्म

आलम-आरा

पात्र हैं

जुबेदा, विट्ठल, पृथ्वीराज कपूर तथा अन्य

प्रतिदिन तीन शो

शाम 5.30, 6.00 और रात 10.30 बजे

अब इन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. सिनेमाघर का नाम क्या है?
2. पात्रों के नाम क्या हैं?
3. सिनेमा देखने का समय क्या है?
4. मूक और बोलती फिल्म में क्या अंतर है? दो वाक्य लिखिए।

लिखो

(अ) नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1. निर्देशक और सिनेमा एक-दूसरे से कैसे जुड़े रहते हैं?
2. पाइरेटेड सिनेमा से आप क्या समझते हैं?

(आ) इस पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

शब्द भंडार

(अ) निम्न लिखित शब्दों का वाक्य में प्रयोग कीजिए।

1. मनोरंजन :...

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2020-21

2. उत्सुक :...

3. विदेश :...

4. श्रेय :...

5. प्रशंसा :...

6. भविष्य :...

7. उज्ज्वल :...

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

(अ) नीचे दी गयी जानकारी से एक पोस्टर बनाइए।

फिल्म का नाम - .... (अपना मनपसंद नाम दे सकते हैं।)

प्रारंभ करने की तिथि - .... (अपना मनपसंद दिनांक डालो।)

पात्रों के नाम - .... (अपने मनपसंद पात्रों के नाम लिखो।)

निर्देशक का नाम - .... (अपने मनपसंद निर्देशक का नाम लिखो।)

सिनेमाघर का नाम - ....(अपने मनपसंद सिनेमाघर का नाम लिखो।)

सिनेमा की विशेषता - ....(अपनी ओर से सिनेमा की विशेषता लिखो।)

प्रशंसा

(अ) अपने मनपसंद सिनेमा के बारे में लिखिए।

भाषा की बात

(अ) नीचे दिया गया अनुच्छेद पढ़िए।

''प्रोजेक्टर से मैं **चलता हूँ।**
परदे पर मैं **दिखता हूँ।**
मनोरंजन सब का **करता हूँ।**
जल्दी **बताओ** कौन **हूँ** मैं?''

ऊपर दिये गये अनुच्छेद में चलता हूँ, दिखता हूँ, करता हूँ, सारे शब्द किसी काम का होना प्रकट करते हैं। ऐसे शब्द ही क्रिया शब्द कहलाते हैं। क्रिया के दो प्रकार हैं। वे हैं-

SCERT TELANGANA

1. अकर्मक क्रिया   2. सकर्मक क्रिया

1. अकर्मक क्रिया : जहाँ कर्ता के व्यापार का फल कर्ता पर पड़े उसे अकर्मक क्रिया कहते हैं। जैसे : मैं प्रोजेक्टर से चलता हूँ। 'चलता हूँ' क्रिया का व्यापार 'मैं' पर पड़ रहा है।

जैसे : 1. लड़का हँसता है। 2. लड़का दौड़ता है।

2. सकर्मक क्रिया : जहाँ कर्ता के व्यापार का फल कर्म पर पड़े उसे सकर्मक क्रिया कहते हैं। जैसे : निर्माता उस कहानी को खरीदता है। 'खरीदता है' क्रिया का व्यापार कर्म 'कहानी' पर पड़ रहा है।

जैसे : 1. राकेश चित्र बनाता है। 2. लड़की रोटी खाती है।

(आ) पाठ में आये हुए अन्य तीन क्रिया शब्द ढूँढ़िए। वाक्य प्रयोग कीजिए।

जैसे : देखना - मैं सिनेमा देखना चाहता हूँ।

परियोजना कार्य

(अ) हिंदी समाचार चैनल के पाँच मुख्य समाचार लिखिए।

विचार-विमर्श

जैसे पाइरेसी गैर-क़ानूनी है, वैसे ही व्यक्तिगत सुरक्षा तोड़ना शर्मनाक और दंडनीय है। इसके खिलाफ़ शिकायत दर्ज करने के लिए 'चाइल्डलाइन 1098' पर फ़ोन कर सकते हैं। ऐसी परिस्थिति में आपको क्या करना चाहिए?

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (✗)
1. पाठ के बारे में बातचीत कर सकता/सकती हूँ।		
2. इस तरह के पाठ पढ़कर समझ सकता/सकती हूँ।		
3. पाठ के शब्दों से वाक्य बना सकता/सकती हूँ।		

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2020-21

भाषा खेल

आओ करें एक प्रयास, इस गोले में कुछ है खास।
कुछ पुस्तक से, कुछ बाहर से, करना है तुमको प्रयास।।
कहीं विलोम तो वचन कहीं, लिंग भी हैं लिखे यहीं।
रखना ध्यान सदा यही, उत्तर देना एकदम सही।।
लिंग बदलो और वचन भी बदलो, समान अर्थ का ध्यान भी कर लो।
पता चले न जब तुमको तो, अंक मिलाकर सूची पढ़ लो।

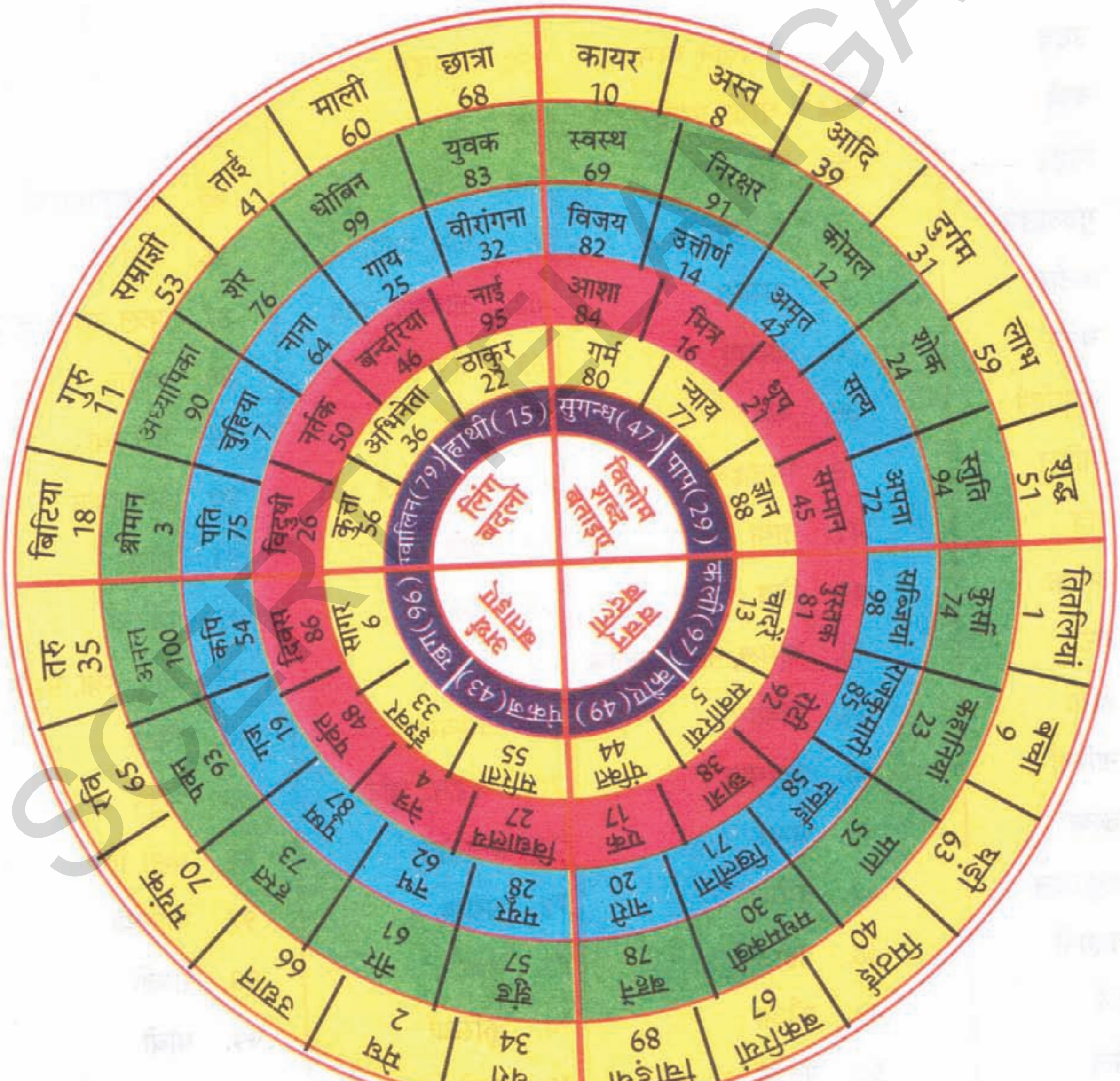

(उत्तर के लिए पृष्ठ संख्या 72 देखो।)

SCERT TELANGANA

इकाई - IV

10. अनमोल रत्न

SCERT TELANGANA

प्रश्न :

1. चित्र में क्या-क्या दिखायी दे रहा है?
2. वे क्या कर रहे हैं?
3. श्यामपट पर लिखे सुवचन से आप क्या समझते हैं?

छात्रों के लिए सूचनाएँ :

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्रों के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. पाठ पढ़िए। नये शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2020-21

तुलसीदास

जीवन काल
1532 - 1623
रचनाएँ
रामचरितमानस आदि।

तुलसी काया खेत है, मनसा भयो किसान।
पाप-पुण्य दोऊ बीज है, बुवै सो लुनै निदान।

भावः तुलसी जी के अनुसार शरीर खेत के समान है और मन किसान के समान। पाप और पुण्य दो बीज हैं, जो बोया जाता है, उसी को प्राप्त करना पड़ता है।

तुलसी साथी विपत्ति, विद्या-विनय-विवेक।
साहस, सुकृति, सुसत्य व्रत,राम भरोसे एक।।

भावः तुलसीदास जी के अनुसार विपत्ति के समय शिक्षा, विनय, विवेक, साहस, अच्छे कार्य और सच्चाई ही साथ देते हैं।

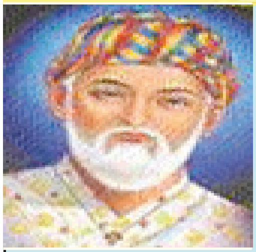

रहीम

जीवन काल
1556 - 1626
रचनाएँ
रहीम सतसई आदि।

बिगरी बात बनै नहिं, लाख करो किन कोय।
रहिमन फाटे दूध को, मथे न माखन होय।।

भावः रहीम जी के अनुसार जब बात बिगड़ जाती है तो किसी के लाख प्रयत्न करने पर भी बनती नहीं है। जिस तरह एक बार दूध फट जाता है तो उसे मथने पर भी मक्खन नहीं बनता।

बड़े बड़ाई न करैं, बड़ो न बोलैं बोल।
रहीमन हीरा कब कहै, लाख टका मेरो मोल।।

भावः रहीम जी के अनुसार जो सचमुच बड़े होते हैं, वे अपनी बड़ाई नहीं किया करते। बड़े-बड़े बोल नहीं बोला करते। हीरा स्वयं कभी नहीं कहता कि उसका मोल लाख टके का है।

SCERT TELANGANA

सुनो-बोलो

1. पाठ में दिये गये चित्र के बारे में बातचीत कीजिए।
2. पाठ का शीर्षक आपको कैसा लगा और क्यों?

पढ़ो

(अ) नीचे दिये गये वाक्यों के भाव बतलाने वाले अंश दोहों में पहचानकर उत्तर-पुस्तिका में लिखिए।

1. हमारा शरीर खेत के समान है।
2. लाख प्रयत्न करने पर भी बात नहीं बनती है।

(आ) नीचे दी गयी पंक्तियों के बाद आने वाली पंक्ति लिखिए।

1. तुलसी साथी विपत्ति - ....
2. रहीमन हीरा कब कहै - ....

लिखो

(अ) नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1. तुलसीदास ने शरीर की खेत व मन की किसान से तुलना क्यों की होगी?
2. रहीम के दोहों के भाव अपने शब्दों में लिखिए।

(आ) 'अनमोल रत्न ' दोहों का भाव अपने शब्दों में लिखिए।

शब्द भंडार

(अ) दोहे में आये कुछ शब्द नीचे दिये गये हैं। इन शब्दों से एक-एक वाक्य बनाइए।

खेत	किसान खेत में काम करते हैं।
विपत्ति	
विनय	
दूध	
हीरा	

SCERT TELANGANA

(आ) नीचे दी गयी पंक्ति पढ़िए। समझिए।

'लाख **टका** मेरो मोल।'

इस पंक्ति में 'टका' शब्द का प्रयोग विशेष अर्थ के लिए हुआ है। पुराने समय में टके का बड़ा महत्व था। अंग्रेजों के समय यह भारत की मुद्रा थी, जिसका मूल्य दो आना था। इसी शब्द पर कई मुहावरे भी हैं, जैसे-

1. टका-सा मुँह लेकर रह जाना। (उदास होना)
2. टके-टके को मोहताज होना। (गरीब होना)
3. टका पास न होना। (धन की कमी होना)

अब आप पता लगाइए कि टका को इन भाषाओं में क्या कहते हैं?

1. तेलुगु- 2. कन्नड़- 3. तमिल- 4. मराठी-

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

(अ) पाठ में बतायी गयी नीतियों के आधार पर नारे बनाइए।

प्रशंसा

(अ) तुलसीदास और रहीम के दोहों का हमारे जीवन में क्या महत्व है?

भाषा की बात

(अ) पढ़िए - समझिए।

किसान - निदान	बुवै - लुनै	विवेक - एक
कोय - होय	करैं - कहैं	बोल - मोल

(आ) ऊपर दिये गये शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों से वाक्य प्रयोग कीजिए।

परियोजना कार्य

तुलसी और रहीम के अन्य दोहे ढूँढ़िए। उन्हें लिखिए और कक्षा में लगाइए।

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. दोहे गा सकता/सकती हूँ।		
2. इन दोहों का भाव बता सकता/सकती हूँ।		
3 कवि के बारे में बता और लिख सकता/सकती हूँ।		

SCERT TELANGANA

इकाई – IV

11. हार के आगे जीत है

प्रश्न :

1. चित्र में क्या-क्या दिखायी दे रहा है?
2. वे क्या कर रहे हैं?
3. इसे देखने पर हमारे मन में क्या विचार उठते हैं?

छात्रों के लिए सूचनाएँ :

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्रों के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. पाठ पढ़िए। नये शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2020-21
SCERT TELANGANA

तन, मन व आत्मा से जो मज़बूत होता है, सफलता उसके क़दम चूमती है। शक्ति के लिए शारीरिक तंदुरुस्ती चाहिए, निश्चित परिस्थिति में समय पर अपना प्रदर्शन करने के लिए मानसिक सन्तुलन चाहिए व मूल्यों के अनुरूप जीने हेतु आत्म-बल चाहिए। इन तीनों ही प्रकार की क्षमताओं का दूसरा नाम ही 'विल्मा ग्लोडियन रुडाल्फ' है।

अमेरिका के टेनेसी प्रान्त में एक रेलवे मज़दूर के घर में 23 जून, 1940 में विल्मा ने जन्म लिया, जिसकी माँ घर-घर जाकर झाड़ू-पोछा लगाती थी। वह नौ वर्ष तक ज़मीन पर कभी पाँव रख कर नहीं चल सकी, क्योंकि उसको चार वर्ष की उम्र में पोलियो हो गया था। तब से वह बैसाखियों के सहारे चलती थी। डॉक्टरों ने जवाब दे दिया था कि वह कभी भी ज़मीन पर अपने क़दम सीधे नहीं रख पायेगी।

उसकी माँ बड़ी धर्मपरायण, सकारात्मक मनोवृत्ति वाली साहसी महिला थी। माँ की आदर्शवादी बातें सुन कर विल्मा ने कहा, ''माँ, मैं क्या कर सकती हूँ जबकि मैं चल ही नहीं पाती हूँ?''

''मेरी बेटी, तुम जो चाहो प्राप्त कर सकती हो।'' माँ ने आत्मविश्वास के साथ कहा।

''क्या मैं दुनिया की सबसे तेज धावक बन सकती हूँ?'', विल्मा ने तुरंत प्रश्न किया।

''क्यों नहीं मेरी बेटी, मुझे तुझ पर पूरा विश्वास है।'', माँ ने दृढ़ विश्वास के साथ कहा।

''कैसे? जबकि डॉक्टरों के अनुसार मेरे लिए चल पाना संभव नहीं है।'', विल्मा ने करुण स्वर में कहा।

''ईश्वर में विश्वास, स्वयं पर भरोसा, मेहनत और लगन से तुम जो चाहो वह प्राप्त कर सकती हो।'', माँ ने यह कहते हुए उसे गोद में उठा लिया।

माँ की प्रेरणा व हिम्मत से 9 वर्ष की विल्मा ने बैसाखियाँ उतार फेंकी व चलना प्रारम्भ किया। अचानक बैसाखियाँ उतार देने के बाद चलने के प्रयास में कई बार ज़ख्मी होती रही, दर्द झेलती रही; लेकिन उसने हिम्मत नहीं हारी और कोई सहारा नहीं लिया। आखिरकार एक साल के बाद वह बिना बैसाखियों के चलने में कामयाब हो गयी। इस प्रकार आठवीं कक्षा में आते-आते उसने अपनी पहली दौड़ प्रतियोगिता में हिस्सा लिया और वह सबसे पीछे रही। उसके बाद दूसरी, तीसरी,

SCERT TELANGANA

चौथी दौड़ प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेती रही और हमेशा आखिरी स्थान पर आती रही। लेकिन वह पीछे नहीं हटी। निरन्तर दौड़ प्रतियोगिताओं में भाग लेती रही, और अंत में उसने एक दिन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर लिया।

15 वर्ष की उम्र में विल्मा टेनेसी स्टेट विश्वविद्यालय गयी, जहाँ वह एड टेंपल नाम के एक कोच से मिली। विल्मा ने अपनी यह इच्छा व्यक्त की कि मैं दुनिया की सबसे तेज धाविका बनना चाहती हूँ। तब टेंपल ने कहा, ''तुम्हारी इसी इच्छाशक्ति की वजह से कोई भी तुम्हे नहीं रोक सकता, और साथ में मैं भी तुम्हारी मदद करूँगा। दौड़ की कला मैं तुम्हें सिखाऊँगा।''

आखिर वह दिन आया जब विल्मा ओलम्पिक में हिस्सा ले रही थी। ओलम्पिक में दुनिया के सबसे तेज दौड़ने वालों से मुकाबला करना पड़ता है। विल्मा का मुकाबला जुत्ता हेन से था, जिसे कोई भी हरा नहीं पाया था। पहली दौड़ 100 मीटर की थी। इसमें विल्मा ने जुत्ता को हरा कर अपना पहला स्वर्ण पदक जीता। दूसरी दौड़ 200 मीटर की थी। इसमें भी विल्मा ने जुत्ता को दूसरी बार हराया और उसने दूसरा स्वर्ण पदक जीता। तीसरी दौड़ 400 मीटर की रिले रेस थी और विल्मा का मुकाबला एक बार फिर जुत्ता से ही था। रिले में रेस का आखिरी हिस्सा टीम का सबसे तेज खिलाड़ी ही दौड़ता है। विल्मा की टीम के तीन लोग रिले रेस के शुरूआती तीन हिस्से में दौड़े और आसानी से बेटन बदली। जब विल्मा के दौड़ने की बारी आई, उससे बेटन छूट गयी। लेकिन विल्मा ने देख लिया कि दूसरे छोर पर जुत्ता हेन तेज़ी से दौड़ी चली आ रही है। विल्मा ने गिरी हुई बेटन उठायी और यंत्र की तरह तेज़ी से दौड़ी तथा जुत्ता को तीसरी बार भी हराया और अपना तीसरा स्वर्ण पदक जीता। यह बात इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गयी कि एक पोलियोग्रस्त महिला 1960 के रोम ओलम्पिक में दुनिया की सबसे तेज धावक बन गयी।

यह उसके कठोर परिश्रम का ही परिणाम था कि उसने 1960 के रोम ओलिम्पिक में 100 व 200 मीटर की दौड़ और 400 मीटर की रिले दौड़ में स्वर्ण पदक जीते। और एक ही ओलिम्पिक में तीन स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली अमेरिकी एथलीट बनी। रोम से लौटने पर पूरा अमेरिका उस लड़की के स्वागत में खड़ा था, जो कभी अपने पैरों पर भी खड़ी नहीं हो सकती थी। उन्हीं के बीच में थी उसकी माँ, जिसकी वजह से आज वह इस मुकाम पर पहुँची थी।

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2020-21

सुनो–बोलो

1. पाठ का शीर्षक कैसा लगा और क्यों?
2. शारीरिक रूप से कमज़ोर लोगों को किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है?

पढ़ो

(अ) नीचे दिये गये वाक्य पढ़िए। किसने कहा बताइए।

वाक्य	किसने कहा?
(अ) मैं क्या कर सकती हूँ जबकि मैं चल ही नहीं पाती हूँ?	
(आ) दौड़ की कला मैं तुम्हें सिखाऊँगा।	
(इ) ज़मीन पर अपने कदम सीधे नहीं रख पायेगी।	

(आ) चित्र देखिए। उससे जुड़े वाक्य पाठ में ढूँढ़िए। रेखांकित कीजिए।

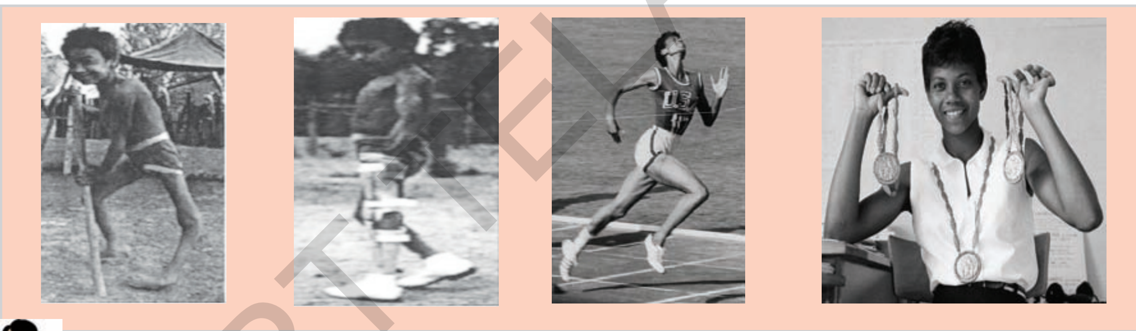

लिखो

(अ) नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1. विल्मा की माँ ने उसे प्रेरणा नहीं दी होती तो क्या होता? सोचकर लिखो।
2. विल्मा का जीवन प्रेरणादायक है। कैसे?

(आ) इस पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

शब्द भंडार

(अ) अर्थ लिखिए।

जैसे- धावक – जो तेज़ दौड़ता है, उसे धावक कहते हैं।

SCERT TELANGANA

ओलंपिक, रिले दौड़, बेटन, पोलियो

(आ) भारतीय ओलंपिक विजेताओं के चित्र देखो। किसी एक के बारे में लिखिए।

परियोजना कार्य

तुम अपने मनपसंद खिलाड़ी के बारे में नीचे दी गयी जानकारियाँ लिखो।

1. खिलाड़ी का नाम, 2. खेल, 3. कितने वर्षों से खेल रहा है?,4. सम्मान, 5. क्यों पसंद है?

प्रशंसा

खेल में हार-जीत लगी रहती है। हार के प्रति आप कैसी प्रतिक्रिया व्यक्त करेंगे?

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

विल्मा का साक्षात्कार लेने के लिए एक प्रश्नावली तैयार कीजिए।

भाषा की बात

रेखांकित शब्द के स्थान पर बेटा, भाई, बहन, मित्र, छात्र शब्दों का प्रयोग करते हुए वाक्य फिर से लिखिए।

''मेरी बेटी, जो तुम चाहो प्राप्त कर सकती हो।''

जैसेः ''मेरे बेटे, जो तुम चाहो प्राप्त कर सकते हो।''

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. पाठ के बारे में बातचीत कर सकता/सकती हूँ।		
2. इस तरह के पाठ पढ़कर समझ सकता/सकती हूँ।		
3. पाठ के शब्दों से वाक्य बना सकता/सकती हूँ।		

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2020-21

इकाई - IV

12. बढ़ते क़दम

SCERT TELANGANA

प्रश्न :

1. चित्र में दिखायी दे रहे महापुरुष का नाम बताओ।
2. वे क्या कर रहे हैं?
3. तुम्हें लिखना कैसा लगता है? अपने शब्दों में बताओ।

छात्रों के लिए सूचनाएँ :

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्रों के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. पाठ पढ़िए। नये शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

20 सितंबर, 2012

गुरुवार

आज माँ की तबीयत कुछ ठीक है। सुबह जब मैं उठी तो देखा कि वे काम पर निकल चुकीं थीं। एक सप्ताह से मैं पाठशाला नहीं गयी थी - माँ का काम जो करना पड़ता था। आज मैं पाठशाला जाना चाहती थी। पता नहीं गुरुजी ने क्या-क्या पढ़ा दिया होगा? और फिर ममता, रवि, शमीम से भी तो कई दिनों से नहीं मिली। पर दीदी ने कहा कि माँ की बीमारी के बाद आज काम पर जाने का उनका पहला दिन है। इसलिए तू यहाँ रहकर मेरी मदद कर। वैसे तो मैं दीदी की सहायता हमेशा करती हूँ। जो भी हो काम ज्यादा होने के कारण आज मैं स्कूल नहीं जा पायी। काम करते-करते दिन कैसे गुज़र गया, इसका पता ही नहीं चला।

21 सितंबर, 2012

शुक्रवार

आज जब मैं स्कूल के लिए निकली तो हल्का-हल्का पानी गिर रहा था। बारिश रुकने तक देर हो गयी। समय देखा तो दस बज चुके थे। मैं बैग लेकर पाठशाला की ओर भागी। फिर भी देर हो गयी। सब अपने-अपने काम में लग चुके थे।

लोमड़ी की कहानी लिखनी थी। मुझे तो कुछ समझ में नहीं आ रहा था कि क्या करना है। पहले डर के मारे पूछा नहीं। फिर थोड़ी देर बाद पूछा तो अध्यापिका जी ने मेरी ओर देखते हुए पूछा - "समीना! कल तुम क्यों नहीं आयी?" तो मैंने उन्हें पाठशाला न आने का कारण बताया। तब उन्होंने मुझे हर दिन पाठशाला आने के लिए समझाया। फिर कहानी पढ़ने को कहा। मैं पढ़ने लगी। मज़ेदार लगी। मैं तो पढ़ ही रही थी पर श्याम और सायना ने तो अपनी कहानी उत्तर-पुस्तिका में लिख भी ली थी। वे अध्यापिका जी को दिखाने लगे। रवि और इरफान

SCERT TELANGANA

एक-दूसरे के बाल खींच रहे थे। अध्यापिका जी ने उन्हें डांटा।

इतने में दस मिनट की छुट्टी हो गयी। मैंने शमीम और ममता से खूब सारी बातें की। शाम को खूब खेला। दिन कैसे बीत गया यह पता ही नहीं चला।

22 सितंबर, 2012

शनिवार

आज मैं पाठशाला समय पर पहुँच गयी। पाठशाला में पाठशाला समिति की बैठक थी। सरपंच जी भी आये थे। हम सब को बरामदे में बिठाया गया। प्रधानाध्यापक जी और सरपंच जी ने बारी-बारी हमसे बातचीत की। प्रधानाध्यापक जी ने बताया कि भारत सरकार बच्चों के लिए शिक्षा का अधिकार कानून 1 अप्रैल, 2010 से अमल कर रही है। इस क़ानून के अनुसार 6 से 14 वर्ष के सभी बच्चों को निशुल्क और अनिवार्य रूप से शिक्षा पाने का अधिकार है। उन्हें अपनी पढ़ाई के लिए एक पैसा भी खर्च नहीं करना होगा। भारत सरकार हर बच्चे के चेहरे पर खुशी देखना चाहती है। तभी सायना ने प्रधानाध्यापक जी से पूछा -''सरकार हमारे लिए और क्या सुविधाएँ दे रही है?'' तो प्रधानाध्यापक जी ने उसके प्रश्न की प्रशंसा की। आगे उन्होंने कहा कि सरकार पौष्टिक भोजन, बालिका शिक्षा, पेयजल की सुविधा, खेल सामग्री, खेल का मैदान, पोषाक, निशुल्क पाठ्य-पुस्तकें और विविध प्रकार की सुविधाएँ, प्रोत्साहन आदि दे रही है। सरकार चाहती है कि भारत का हर नागरिक पढ़ा-लिखा बनें। सौ प्रतिशत साक्षरता दर प्राप्त करें। सरकार का नारा है - 'सब पढ़ें - सब बढ़ें।' जिस दिन भारत का हर बच्चा शिक्षित होकर अच्छा नागरिक बनेगा, उसी दिन हमारे महापुरुषों के सपने साकार होंगे। जयहिंद।''

प्रधानाध्यापक जी की बातें सुनकर हम सबने तालियाँ बजायीं। आज मैं बहुत खुश थी। मैंने घर लौटकर माता-पिता और दीदी को प्रधानाध्यापक जी की कही सारी बातें बतायीं।

विचार-विमर्श

*बच्चों की सुरक्षा के लिए सरकार ने **POCSO** कानून बनाया। जिसमें बच्चों को तंग करने, शारीरिक और व्यक्तिगत नियम तोड़ने पर कई साल की सज़ा है। यदि कोई जानबूझकर इन्हें तोड़े तो हमारा दोष नहीं। उसे हम 'नहीं', 'रुको' कह सकते हैं। मौका मिलने पर दूर जाकर किसी भरोसेमंद बड़े व्यक्ति की सहायता से असुरक्षित व्यक्ति से बच सकते हैं। ऐसे असुरक्षित व्यक्ति को उसके व्यवहार पर शर्मिंदगी होनी चाहिए। इन्हें रोकें। ऐसे कौन-कौन से सुरक्षित व्यक्ति हैं जिनसे तुम सहायता ले सकते हो?*

SCERT TELANGANA

सुनो-बोलो

1. इस डायरी की घटनाओं के आधार पर बताओ समीना कैसी लड़की है?
2. समीना के पाठशाला न जाने के क्या कारण हो सकते हैं?

पढ़ो

(अ) नीचे दिये गये वाक्य पढ़िए। इनके अर्थ वाले वाक्य पाठ में रेखांकित कीजिए।

1. मैं अपने मित्रों से मिलना चाहती हूँ।
2. भय के कारण पूछ न सकी।

(आ) नीचे दिये गये वाक्यों में गलत शब्द पहचानकर सही लिखिए।

1. आज मैं पाठशाला खेलना चाहती है।
2. सरकार का तारा है- "सब पढ़ें - सब बढ़ें"

लिखो

(अ) नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1. समीना के घर की स्थिति कैसी थी?
2. 'सब पढ़ें - सब बढ़ें' इस नारे से आप क्या समझते हैं?

(आ) प्रधानाध्यापक जी ने बच्चों को क्या बताया होगा?

शब्द भंडार

(अ) नीचे दिये गये शब्दों के वचन बदलिए। वाक्य प्रयोग कीजिए।

उदा: कहानी - मुझे पंचतंत्र की कहानियाँ पसंद है।

छुट्टी, खुशी, ताली, समिति

(आ) पाठ में समीना के दोस्तों के नाम दिये गये हैं। आप अपने दोस्तों के नाम लिखिए।

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

(अ) अभी आपने समीना की डायरी पढ़ी। डायरी की घटनाएँ बताते हुए मित्र को पत्र लिखिए।

प्रशंसा

(अ) डायरी लिखना अच्छी आदत है, इस पर अपने विचार लिखिए।

SCERT TELANGANA

परियोजना कार्य

(अ) अपनी पाठशाला के पुस्तकालय से किसी महापुरुष की डायरी पढ़िए। उसके मुख्य अंश लिखिए।

भाषा की बात

(अ) नीचे दिया गया अनुच्छेद पढ़िए।

एक सप्ताह से मैं पाठशाला नहीं गयी थी - माँ का काम जो करना पड़ता था। **आज** मैं पाठशाला जाना चाहती थी। पता नहीं गुरुजी ने क्या-क्या पढ़ा दिया होगा? और फिर ममता, रवि, शमीम से भी तो कई दिनों से नहीं मिली। पर दीदी ने कहा कि माँ की बीमारी के बाद आज काम पर जाने का उनका पहला दिन है। इसलिए तू **यहीं** रहकर मेरी मदद कर। **वैसे** तो मैं दीदी की सहायता हमेशा करती हूँ। जो भी हो काम **ज्यादा** होने के कारण आज मैं स्कूल नहीं जा पायी। काम करते-करते दिन कैसे गुज़र गया, इसका पता ही नहीं चला।

ऊपर दिये अनुच्छेद में आज, यहीं, वैसे और ज्यादा जैसे शब्द क्रिया-विशेषण के भेदों के उदाहरण हैं। क्रिया-विशेषण के चार भेद हैं-

1. **स्थानवाचक क्रिया-विशेषण:** जो क्रिया की स्थान संबंधी विशेषता प्रकट करते हैं, उसे स्थानवाचक क्रिया-विशेषण कहते हैं।
   उदा: रामू <u>यहाँ</u> बैठता है।
2. **कालवाचक क्रिया-विशेषण:** जो क्रिया के होने का समय बतायें, उसे कालवाचक क्रिया-विशेषण कहते हैं।
   उदा: रामू <u>आज</u> आता है।
3. **परिमाणवाचक क्रिया-विशेषण:** जो क्रिया के परिमाण को प्रकट करें, उसे परिमाणवाचक क्रिया-विशेषण कहते हैं।
   उदा: रामू <u>बहुत</u> खेलता है।
4. **रीतिवाचक क्रिया-विशेषण:** जो क्रिया के रीति का संकेत करें, उसे रीतिवाचक क्रिया-विशेषण कहते हैं।
   उदा: रामू <u>ऐसा</u> खेलता है।

क्रिया-विशेषण भेदों का प्रयोग करते हुए पाँच वाक्य लिखिए।

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. पाठ के बारे में बातचीत कर सकता/सकती हूँ।		
2. इस तरह के पाठ पढ़कर समझ सकता/सकती हूँ।		
3. पाठ के शब्दों से वाक्य बना सकता/सकती हूँ।		

SCERT TELANGANA

पठन हेतु

आओ पत्रिका निकालें

बहुत से बच्चों को लेखक बनने का शौक होता है-अपना नाम पत्रिकाओं में छपा देखने का, बड़े होने पर अपने नाम की किताब छपी देखने का। यह कोई बुरी बात नहीं बल्कि अच्छी बात है लेकिन इसके लिए तैयारी ज़रूरी है। दुनिया के अधिकतर बड़े लेखकों ने अपनी पत्रिकाएँ निकाली हैं। तुम भी अपनी पत्रिका निकाल सकते हो।

बाज़ार से रूलदार कागज़ ले आओ। अपने भाई-बहनों से, अपने स्कूल और मुहल्ले के साथियों से बातचीत करो। उनसे कहो कि पत्रिका निकालने जा रहे हो। वे तुम्हारी पत्रिका के लिए कुछ लिखें - कविता, कहानी, लेख, चुटकुले जो भी जी में आये। इसके लिए तुम्हें अपनी रचना दे दें।

जब सारी रचनाएँ इकट्ठी कर लो तब उसे साफ़-साफ़ हाथ से रूलदार कागज़ पर लिख लो या तुम्हारे साथियों में जिसकी हस्तलिपि बढ़िया हो उससे लिखा लो। अगर कोई चित्र बनाना चाहे तो उसी आकार के, बिना रूल वाले, कागज़ पर उससे बनवा लो। फिर उसे रचनाओं के बीच-बीच में लगा लो। सबको इकट्ठा कर खुद ही सी लो।

पत्रिका को खूबसूरत बनाने के लिए उसका कवर मोटे कागज़ का रखो और उस पर रंगीन कागज़ व रंग से सजावट कर लो। अपनी पत्रिका का कुछ नाम रख लो। पृष्ठों पर नंबर डाल लो। शुरू में एक सूची बना लो। किस पृष्ठ पर किसकी रचना है वहाँ लिख दो। पर तुम्हारी पत्रिका कितनी छोटी-बड़ी हो या कितने लोग कितना लिखेंगे, इसके हिसाब से तय करो। रंगीन पेंसिलों से हर पृष्ठ का किनारा आकर्षक बना सकते हो। कोशिश करो कि तुम्हारे साथी लेखक अपना सोचकर लिखें, जो न लिख पाएँ वह दूसरे किसी लेखक की रचना

SCERT TELANGANA

लिखें, लेकिन चोरी न करें। उस लेखक की रचना है, यह लिख दें। अपनी पत्रिका निकालने के लिए तुम पाँच बातें ज़रूर ध्यान में रखो -

1. सरल शब्द हों और भाषा और व्याकरण की अशुद्धियाँ न हों। किसी बड़े को पहले दिखा सकते हो।
2. अपनी लिखी मौलिक रचना को लेख, कहानी, कविता जो कुछ भी हो पहला स्थान दो। दूसरे की प्रिय रचना को दूसरा स्थान दो। चोरी की रचना मत दो।
3. लिखने-लिखाने से पहले यदि साथी लेखक चाहते हों तो उनसे बात कर लो। क्या लिख रहे हैं उस पर साथ मिलकर विचार कर लो।
4. तुम अपनी पत्रिका निकाल रहे हो अतः संपादक होने का घमंड मत करो। बल्कि अपने लेखकों को प्यार करो। उन्हें आदर-सम्मान दो। कमज़ोर रचना को ठीक करना हो तो उनको बता दो।
5. पत्रिका लिखावट और सजावट में जितनी खूबसूरत बना सकते हो, बनाओ।

पत्रिका के अंत में कुछ पृष्ठ कोरे छोड़ना न भूलना। इस पर अपने माता-पिता, अध्यापक या आसपास के कुछ छोटे-बड़े लेखक हों तो उनसे उनकी राय लिखवा लेना। फिर स्कूल खुलने पर अपने-अपने शिक्षकों को भी दिखाना, उनकी राय लिखवाना और यदि चाहो तो अपने स्कूल के प्रमाण-पत्र के साथ हमें अपनी पत्रिका निकालने की सूचना देना।

वैसे दुनिया के बड़े लेखकों ने अपनी खुशी के लिए शुरू-शुरू में अपने हाथ से लिखी पत्रिकाएँ निकाली हैं, किसी नाम के लिए नहीं। चाहो तो उनका रास्ता अपना सकते हो। हमारी शुभकामनाएँ अभी से ले लो।

लेखक का नाम	:	सर्वेश्वर दयाल सक्सेना
जीवन काल	:	1927 - 1983
रचनाएँ	:	खूँटियों पर टँगे लोग आदि।
पुरस्कार	:	साहित्य अकादमी पुरस्कार आदि।

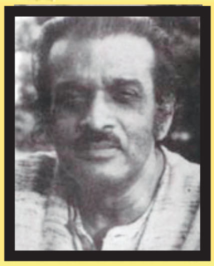

विचार-विमर्श

पत्रिकाओं से हम अपने विचार औरों तक पहुँचा सकते हैं। बच्चों पर होने वाले हमलों और अत्याचारों से निपटने के लिए क्या करना चाहिए? अपने विचार बताइए।

SCERT TELANGANA

शब्दकोश

अंतरिक्ष	=	అంతరిక్షము, space	**अंतरिक्ष** में कृत्रिम उपग्रह भेजे जाते हैं।
अनिवार्य	=	తప్పనిసరిగా, compulsory	सबके लिए शिक्षा **अनिवार्य** है।
अवशेष	=	అవశేషము, remain	हड़प्पा में प्राचीन सभ्यता के **अवशेष** मिले।
असर	=	ప్రభావము, effect	अच्छी संगत का अच्छा **असर** पड़ता है।
आक्रमण	=	ఆక్రమణ attack	औरंगजेब ने गोलकोंडा पर **आक्रमण** किया।
आज़ाद	=	స్వతంత్రమైన, independent	भारत **आज़ाद** देश है।
आटा	=	పిండి, flour	**आटे** से रोटी बनायी जाती है।
आरक्षण	=	ఆరక్షితము, reservation	रेलवे स्टेशन में **आरक्षण** खिड़की होती है।
आयोजन	=	ఏర్పాటు, arrangement	सरकार पोलियो अभियान का **आयोजन** करती है।
इंतज़ार	=	నిరీక్షణ, awaiting	पिता जी मेरा **इंतज़ार** कर रहे हैं।
इमारत	=	విశాలమైన భవనము, mansion	शहर में बड़ी **इमारतें** होती हैं।
इस्तेमाल	=	ఉపయోగము, use	समय का अच्छा **इस्तेमाल** करना चाहिए।
उधार	=	ఋణము, loan	हमें **उधार** नहीं लेना चाहिए।
उपकरण	=	పనిముట్టు, equipment	कारीगर **उपकरणों** की सहायता से काम करता है।
कामयाब	=	సఫలీకృతుడైన, successful	**कामयाब** व्यक्ति मेहनत करना नहीं छोड़ता है।
काया	=	శరీరము, body	मनुष्य को **काया** बार-बार नहीं मिलती है।
किनारा	=	ఒడ్డు, bank	हैदराबाद मूसी नदी के **किनारे** है।
कुम्हार	=	కుమ్మరి potter	**कुम्हार** मिट्‌टी के बर्तन बनाता है।
कुल्हाड़ी	=	గొడ్డలి, an axe	लुहार **कुल्हाड़ी** बनाता है।
कृत्रिम	=	కృత్రిమమైన, artificial	भारत ने कई **कृत्रिम** उपग्रह छोड़े हैं।
खतरा	=	అపాయం, danger	बिजली से **खतरा** होता है। बचकर रहो।
खुरपी	=	దోకుడుపార, a weading instrument	**खुरपी** से घांस निकाली जाती है।
गहराई	=	లోతు, depth	समुद्र की **गहराई** अधिक होती है।
गुणी	=	సద్గుణసంపన్నుడు, virtuous	तेनाली रामकृष्णा **गुणी** व्यक्ति थे।
गेहूँ	=	గోధుమలు, wheat	**गेहूँ** से आटा बनता है।
चतुर	=	చతురుడు, తెలివైన, clever	बीरबल **चतुर** थे।
जल्दबाजी	=	తొందరపాటు, hasty	**जल्दबाजी** से काम नहीं करना चाहिए।
जासूस	=	గుఢాచారి, detective	**जासूस** रहस्यों का पता लगाता है।
जुलाहा	=	సాలెవాడు, weaver	**जुलाहा** कपड़ा बुनता है।
झेलना	=	అనుభవించుట, to suffer	दुखों को **झेलना** और आगे बढ़ना साहस के लक्षण हैं।
तय	=	నిర్ణయింపబడిన, decided	विल्मा ने **तय** कर लिया कि उसे तेज़ धावक बनना है।
तबियत	=	ఆరోగ్యము, health	पानी में बहुत भीगने से **तबियत** खराब हो सकती है।

SCERT TELANGANA

तरल	=	తడిపదార్థము, wet things	पानी **तरल** पदार्थ है।
थकान	=	అలసట, tired	बहुत काम करने से **थकान** होती है।
दर्पण	=	అద్దము, mirror	**दर्पण** में देखकर श्रंगार करते हैं।
दरबार	=	సభ, courtyard	राजा **दरबार** में बैठे हैं।
दाखिला	=	ప్రవేశము, admission	रामू को पाठशाला में **दाखिला** मिल गया।
दुर्गम	=	పాశక్యముకాని, కఠినమైన, inaccessible	साहसी लोग **दुर्गम** कार्यों को भी सुगम कर लेते हैं।
धावक	=	పరిగెత్తేవాడు, athlete	पी.टी. उषा तेज़ **धावक** है।
नज़र	=	దృష్టి, sight	चील की **नज़र** तेज़ होती है।
नभ	=	ఆకాశము, sky	**नभ** में तारे चमक रहे हैं।
निकट	=	సమీపము, nearby	राजू की पाठशाला घर के **निकट** है।
निदान	=	పరిష్కారము, diagnosis	हर समस्या का **निदान** होता है।
निवेदन	=	ప్రార్థన, request	हमें हमेशा विनम्रता से **निवेदन** करना चाहिए।
परिणाम	=	ఫలితము, consiquence	अच्छा पढ़ने पर **परिणाम** भी अच्छा प्राप्त होता है।
परिवहन	=	రవాణా, transportation	आर.टी.सी. **परिवहन** व्यवस्था उत्तम है।
पुलकित	=	మిక్కిలి సంతోషము, over joyed	अच्छे काम करने से माता-पिता **पुलकित** होते हैं।
पोशाक	=	గణవేషము, school uniform	सरकार बच्चों को **पोशाक** देती है।
प्रचार-प्रसार	=	ప్రచార - ప్రసారములు, propaganda	गाँधी जी ने हिंदी का **प्रचार-प्रसार** किया।
प्रतियोगिता	=	పోటి, competition	छात्र खेल **प्रतियोगिता** में भाग लेते हैं।
प्रशिक्षण	=	శిక్షణ, training	छात्रों को **प्रशिक्षण** दिया जा रहा है।
फावड़ा	=	పార, spade	माली **फावड़े** से घांस निकालता है।
फुलझड़ियाँ	=	కాకరపువ్వొత్తి, sparkles	दिवाली में **फुलझड़ियाँ** जलायी जाती हैं।
बाँस	=	వెదురు, bamboo	बँसोर **बाँस** से टोकरी आदि सामान बनाता है।
बँसोर	=	మేదరివాడు, basket - maker	**बँसोर** बाँस से टोकरी आदि सामान बनाता है।
बरामदा	=	ప్రాంగణము, varandah	माँ घर के **बरामदे** में बैठी है।
बिसात	=	చదరంగఫలకము, chess board	शतरंज **बिसात** पर खेला जाता है।
बेमिसाल	=	పోల్చలేని, unparalled	देश की शान बढ़ाने के लिए **बेमिसाल** काम करना चाहिए।
बेहद	=	అంతులేని, unlimited	माँ अपने पुत्र को **बेहद** प्यार करती है।
बोझ	=	బరువు, burden	छात्र को अधिक **बोझ** वाला काम नहीं देना चाहिए।
भीड़	=	గుంపు, crowd	कुंभ मेले में बहुत **भीड़** होती है।
भौगोलिक	=	భౌగోళికమైన, geographical	वृक्ष हमारी **भौगोलिक** संपदा है।
मटका	=	పెద్దమట్టి కుండ, big mud pot	मिट्टी से **मटका** बनाया जाता है।
मरम्मत	=	మరమ్మత్తు, repairs	टूटी हुई चीज़ों की **मरम्मत** करवानी चाहिए।
यश	=	కీర్తి, fame	दुनिया भर में भारत का **यश** फैला हुआ है।
लहर	=	అల, wave	समुद्र की **लहरें** ऊँची होती हैं।
लाड़	=	గారాబము, affection	माता-पिता बच्चों को **लाड़** करते हैं।

SCERT TELANGANA

लायक	=	సరియైనవాడు, fit	हमें **लायक** बनना चाहिए।
लुहार	=	కమ్మరి, blacksmith	**लुहार** लोहे का काम करता है।
विलंब	=	ఆలస్యము, delay	अच्छे काम में **विलंब** नहीं करना चाहिए।
विचलित	=	చంచలమైన, fickle	बुरे काम से मन **विचलित** हो उठता है।
विपत्ति	=	కష్టము, disaster	**विपत्ति** में धैर्य नहीं खोना चाहिए।
शतरंज	=	చదరంగం, chess	विश्वनाथन आनंद **शतरंज** के खिलाड़ी हैं।
शिकायत	=	ఫిర్యాదు, a complaint	किसी को **शिकायत** का मौका नहीं देना चाहिए।
शिकार	=	వేట, hunt	शिकारी **शिकार** करता है।
शीघ्र	=	త్వరగా, quickly	रेल की तुलना में हवाई जहाज **शीघ्र** पहुँचता है।
संग्रहालय	=	ప్రదర్శనశాల, museum	**संग्रहालय** में वस्तुओं का संग्रह किया जाता है।
संचार	=	ప్రసారము, communication	टेलीफोन **संचार** उपकरण है।
संतुलन	=	సరితూకము, balance	भोजन में सभी विटामिनों का **संतुलन** होना चाहिए।
संसद	=	పార్లమెంటు, parliament	भारत का **संसद** नई दिल्ली में है।
सिंचाई	=	నీటిపారుదల, irrigation	नदियों के जल से **सिंचाई** की जाती है।
सपना	=	కల, a dream	राजा ने **सपना** देखा।
समर्थक	=	సమర్థించేవాడు, supporter	गाँधी जी अहिंसा के **समर्थक** थे।
सफ़र	=	ప్రయాణము, journey	कम सामान के साथ **सफ़र** करना चाहिए।
सहारा	=	ఆధారము, support	हमें अपने माता-पिता का **सहारा** बनना चाहिए।
साबित	=	నిరూపించుట, to prove	गलत काम को सही **साबित** नहीं करना चाहिए।
सैकड़ा	=	వందలాది, several hundreds	हर दिन **सैकड़ों** लोग रेल में यात्रा करते हैं।
सौरमंडल	=	సౌరమండలము, solar system	**सौरमंडल** में अनेक तारे हैं।
सिवाय	=	తప్ప, except	मीरा श्रीकृष्ण के **सिवाय** किसी दूसरे का ध्यान नहीं करती थी।
सीमित	=	పరిమితి, limited	ज्ञान **सीमित** नहीं होता।
हाँडी	=	చిన్నమట్టిపాత్ర, small earthen pot	कुम्हार **हाँडी** बनाता है।
हथकरघा	=	మగ్గము, handloom	जुलाहे के काम को **हथकरघा** भी कहते हैं।
हथौड़ा	=	పెద్దసుత్తి, a big hammer	**हथौड़े** से पत्थर तोड़ा जाता है।
हिसाब	=	లెక్కింపు, counting	हमें समय के **हिसाब** से काम करना चाहिए।
हैरान	=	గాబరపడుట, rattle	जातरा में लोगों की भीड़ देखकर मैं **हैरान** रह गया।

अध्यापकों के लिए सूचना

यहाँ पर शब्दों के अर्थ व उनके वाक्य प्रयोग दिये गये हैं। अतः बच्चों को अर्थ समझाने के लिए और अधिक वाक्य प्रयोग सिखाइए।

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2020-21

अंक से मिलान करके अपनी जाँच स्वयं करें

सूची – 1 से 100 तक

1. तितली	26. विद्वान	51. अशुद्ध	76. शेरनी
2. बादल	27. पाठशाला	52. माताएँ	77. अन्याय
3. श्रीमती	28. मोर	53. सम्राट	78. बहन
4. आँख	29. पुण्य	54. बंदर	79. ग्वाला
5. सवारी	30. मधु-मक्खियाँ	55. नदी	80. ठंडा
6. समुद्र	31. सुगम	56. कुतिया	81. पुस्तकें
7. चूहा	32. वीर	57. समूह	82. पराजय
8. उदय	33. भगवान, परमात्मा	58. दवाइयाँ	83. युवती
9. बच्चे	34. धरती, पृथ्वी, भूमि	59. हानि	84. निराशा
10. निडर	35. पेड़, वृक्ष	60. मालिन	85. राजकुमारियाँ
11. गुरुआइन	36. अभिनेत्री	61. जल, पानी	86. दिन
12. कठोर	37. असत्य	62. आकाश, गगन	87. फूल, सुमन, कुसुम
13. चादर	38. छात्राएँ	63. घड़ियाँ	88. अज्ञान
14. अनुत्तीर्ण	39. अंत	64. नानी	89. चिड़िया
15. हाथिन	40. मिठाइयाँ	65. सूर्य, सूरज, भानू	90. अध्यापक
16. शत्रु	41. ताया	66. बाग, बगीचा	91. साक्षर
17. अनेक	42. विष	67. बकरी	92. रोटियाँ
18. बेटा	43. कमल, नीरज, जलज	68. छात्र	93. वायु, हवा, समीर
19. हाथी	44. पंक्तियाँ	69. अस्वस्थ	94. निंदा
20. नारियाँ	45. अपमान	70. चंद्रमा, चाँद	95. नाईन
21. छाया	46. बंदर	71. खिलौने	96. पक्षी, विहार
22. ठकुराइन	47. दुर्गंध	72. पराया	97. कलियाँ
23. कहानी	48. पहाड़	73. हाथ	98. सब्ज़ी
24. हर्ष	49. कौआ	74. कुर्सियाँ	99. धोबी
25. बैल	50. नर्तकी	75. पत्नी	100.आग, अग्नि

SCERT TELANGANA